



Sewa Jyot

January 2019

शुभ स्वागत - 2019





AN ALL-NEW WAY TO TURN HEADS.
THE FIRST-EVER BMW 6 SERIES GRAN TURISMO M SPORT. NOW IN DIESEL.



REAR SEAT ENTERTAINMENT PROFESSIONAL

REMOTE CONTROL PARKING WITH BMW DISPLAY KEY

COMFORT SEATS IN EXCLUSIVE NAPPA LEATHER

The first-ever BMW 6 Series Gran Turismo now comes with a powerful diesel engine that raises the bar yet again. With additional features like BMW Gesture Control, Head-Up Display and Electrically Adjustable rear seats, this statement maker is the gold standard for all luxury sedans. Revel in a one-of-a-kind, truly distinctive experience.

BMW Gallops Autohaus
Ahmedabad
Tel. +91 9099234567
www.bmw-gallopsautohaus.in

SEARCH

To book a test drive, visit bmw-gallopsautohaus.in/testdrive. Terms and conditions apply. The model, equipment and possible vehicle configurations illustrated in this advertisement may differ from the vehicles supplied in the Indian market.

INDEX

PRESIDENT'S MESSAGE	03
HON' SECRETARY'S MESSAGE	05
MESSAGE OF EDITOR	06
NEW YEAR CELEBRATIONS	08
CONVENORS' REPORTS	11
A HOMAGE	13
ANNUAL GENERAL MEETINGS	14
FROM THE PRINCIPALS' DESK	15
HAVE YOU READ THIS BOOK	18
PRESIDENTIAL PEN	20
INDEPENDENCE DAY CELEBRATION	22
A MEET AT GANDHI AASHRAM	23
NELSON MANDELA LECTURE 2018	24
MY TENURE AS PRINCIPAL - DR. SHAILJA NAIR	26
ARE WE GETTING ENOUGH SLEEP?	28
FAREWELL - DR. SHAILJA NAIR	30
AYUSHMAN BHARAT YOJANA	32
LOVE, THE UNENDING RESOURCE	34
RUNNING DRY	36
SCHOOL ACTIVITIES	36

INSTITUTIONS OPERATING UNDER RAJASTHAN SEWA SAMITI

- Rajasthan Hindi High School
- Rajasthan Eng. Higher Secondary School (Self Financed)
- Gyanodaya Hindi Prathmik Shala
- Gyanodaya English Medium Primary School
- Gyanodaya Shishu Mandir
- Rajasthan Institute of Professional Studies

Rajasthan Sewa Samiti is the organization recognized & registered under Ahmedabad Bombay Public Trust Act & Societies' Registration Act. The donation given to the Samiti is exempted from tax under Income Tax Act, 1961, Section 80G.

This Bulletin is Designed by Rioconn Interactive Pvt. Ltd.
Advertised & Printed by Khushi Advertising
Published by Rajasthan Sewa Samiti
Subhash M. Dasani - Editor & Convenor, Bulletin Committee
Rajesh Balar - Co. Convenor, Bulletin Committee
Ramchandra Bagrecha - Member, Bulletin Committee

RAJASTHAN SEWA SAMITI:
Rajasthan Bhawan, Shahibaug Road, Ahmedabad -380004.
Tel: +91 79 2562 4675 / 6412
Email: rajasthansewasamiti1961@gmail.com
Web: www.rajasthansewasamiti.com

PRESIDENT'S MESSAGE



GANPATRAJ CHOWDHARY - President

स्नेही स्वजन,

मेरी और हमारे राजस्थान सेवा समिति परिवार की ओर से आप सबको नूतन वर्ष - 2019 के लिए ढेर सारी शुभ कामनाएं। आपके और आपके पुरे परिवार के लिए नया वर्ष शांति से संपन्न, सुख से आच्छादित, सुदृढ़ स्वास्थ्य एवं संतुष्टि की पराकाष्ठा बना रहे ऐसी मेरी परम कृपालु परमात्मासे प्रार्थना है।

हमारी राजस्थान सेवा समिति ने भी स्थापना के वर्ष 1961 के बाद एक लम्बी मंजिल तय की है। समितिके संस्थापक एक दीर्घदृष्टि मिशन लेकर आगे बढ़े और उनके निरंतर नैतिक प्रयासों के परिणाम स्वरूप आज राजस्थान सेवा समिति ने समाज में एवं समाज के ऊपर भी अपनी उज्ज्वल छवि प्रस्थापित की है। मेरे लिए सौभाग्य की बात रही कि अध्यक्ष के रूप में समिति के अनगिनत कार्योंमें मेरा योगदान देने का मुझे मौका मिला और हमारे सब साथियों के सहयोग एवं सहकार से हम कई सारे अच्छे कार्य कर सके हैं।

जैसे आप सब जानते हैं हमारे हमेशा के तीन मुख्य उद्देश्य रहे हैं विद्यादान, स्वास्थ्य प्रदान एवं राहत कार्य और हमारा केन्द्रबिन्दु बना रहा है विद्यादान का हमारा कार्य। मुझे काफी आनंद है कि हमारे शिक्षणकार्य में, काफी सालों के हमारे अनुभव के आधार पर हमने अच्छी परंपरा स्थापित की हुई है जिसके कारण चाहे शैक्षणिक प्रवृत्ति हो या इतर प्रवृत्ति हो, ढेर सारी प्रतियोगिताओं में एवं बोर्ड की परीक्षाओं में हमारे विद्यार्थी हमेशा आगे रहे हैं। मैं इन सब विद्यार्थी एवं हमारे शिक्षकगण तथा आचार्यगण को बधाई देता हूँ।

राजस्थान सेवा समिति की स्थापना का परिबल बना रहा था हमारे देश का विभाजन एवं उस वक्त अहमदाबाद के आंगन आये हुए अनगिनत निराश्रित बंधू

उनकी सेवा में से ही विचार का जन्म हुआ कि हमारी एक स्थायी समिति होनी चाहिए और हमारे उन वरिष्ठ बन्धुओं के “सकारात्मक दृष्टिकोण” के कारण ही राजस्थान सेवा समिति का जन्म, समिति का विकास और आज तक की समिति की ऐतिहासिक यात्रा सफल हुई।

बाद में हमने समाज के हमारे बंधुओं एवं परिवारों के स्वास्थ्य के बारे में भी सोचा और उस विचार से जन्म हुआ राजस्थान हॉस्पिटल्स का। जिसकी सफलता में एवं जिसकी लोकप्रियता में हमारे कई वरिष्ठ मित्रों का काफी योगदान रहा।

राजस्थान हॉस्पिटल्स जिसने गुजरात, राजस्थान एवं अन्य पड़ोशी राज्यों में भी काफी नाम कमाया है वहां हमारे कई सारे मित्र आने वाले वर्षों के लिए निर्वाचित हुए हैं। मैं हमारे इन सब दोस्तों और नव निर्वाचित चेरेमेन श्री सतीशजी शाह तथा एग्जीक्यूटिव चेरेमेन श्री पृथ्वीराजजी कांकरिया को बधाई देता हूँ। मुझे विश्वास है कि हॉस्पिटल्स के कार्यों को एवं सुविधाओं को आप और समृद्ध बनाएंगे और आपके हर कार्य में राजस्थान सेवा समिति का हमेशा सहयोग रहेगा।

मुझे विश्वास है कि हम सब, साथ साथ, आने वाले अनगिनत साल, शिक्षा, राहत एवं स्वास्थ्य के यह कार्य अविरोध करते रहेंगे, यज्ञ आहुति देते रहेंगे, जिसमें व्यक्तिगत विचार, भाव, अभाव कभी हावी नहीं होंगे।

पिछले दिनों गुजरात राज्य के हमारे शिक्षणमंत्री श्री भुपेन्द्रसिंहजी चुडासमा ने हमारी अटल टिकरिंग लेबोरेटरी का उद्घाटन किया। शिक्षणमंत्री ने हमारे कार्यों की काफी सराहना की और आत्मविश्वास के साथ कहा कि आनेवाले वर्षों में हमारे देश में से भी नोबल एवॉर्ड जितने वाले वैज्ञानिक निकलेंगे और देश का नाम रौशन करेंगे। मुझे विश्वास, आशा एवं श्रद्धा है कि ऐसे वैज्ञानिक हमारे विद्यार्थियों में से भी आगे आएंगे जिस भगीरथ एवं चुनौतीपूर्ण कार्य के लिए सर्व प्रकार के संसाधन उपलब्ध कराना हमारी जिम्मेवारी बनी रहेगी।

अभी अभी सम्पूर्ण हुए विक्रम संवत् 2074 के दौरान मुझे सम्पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ हमारे साथी उपाध्यक्ष श्री बाबूलालजी सेखानी एवं श्री भेरूलालजी चौपड़ा, हमारे मानद मंत्री एवं सहमंत्री श्री श्यामजी टिबडेवाल एवं श्री राजेन्द्रजी बागरेवा एवं हमारे कोषाध्यक्ष श्री संपतजी दसाणी का हमें निरंतर मार्गदर्शन मिला। हमारे ट्रस्टीओं श्री रमाकांतजी भोजनगरवाला, श्री खीमराजजी बालड़, श्री तेजकरणजी लूणिया एवं श्री गौतमजी जैन हमारी प्रबल शक्ति बने रहे और जो हमें छोड़कर चले गए हैं ऐसे हमारे ट्रस्टी, दिवंगत श्री बाबूलालजी रूंगटा को मैं कैसे भूल सकता हूँ! इन सब दोस्तों एवं वरिष्ठ गण की आभार अभिव्यक्ति के लिए शब्द कम पड़ेंगे। हमारे ये साथी जीवन के हर क्षेत्र, हर कार्य में आगे बढ़ें ऐसी मेरी शुभ कामना रहेंगी।

नए साल प्रारम्भ की इस घड़ी पर मैं राजस्थान सेवा समिति की हमारी कार्यकारिणी के सारे सदस्य एवं हमारी अलग अलग कमिटी के कन्वीनरों तथा सह-कन्वीनरों को भी बधाई देता हूँ, उनका आभार मानता हूँ और नए साल का अभिवादन करता हूँ। दोस्तों कुछ वक्रत पहले मैंने एक कविता पढ़ी थी। उस कविता में इतिहास के पन्नों पर छाया हुई कई सारी विभूतियों का नाम, काम और योगदान बताने के बाद कहा गया था कि वह सब विभूतियाँ अब नहीं रही। काल के आवरण में लीन हो गयी। जैसे ओस के बिंदु कुछ ही क्षण में लुप्त हो जाते हैं, यह विभूतियाँ, यह दिग्गज, यह महारथी भी लुप्त हो गए।

यही सत्य है और इसी कारण ही सब से मिलते रहना है, साथ साथ चलना है, जीवन का लुप्त उठाना है और हमें, अपने आप को, आप सब की यादों में कायम करना है।

"LET US ALWAYS BE PART OF THE SOLUTION"

गणपतराज चौधरी
अध्यक्ष

"Most of the important things in the world have been accomplished by people who have kept on trying when there seemed to be no hope at all."

~ Dale Carnegie



SHYAMSUNDER TIBREWAL
Hon. Secretary

आत्मीय स्वजनों,

नूतन वर्ष - 2019 के शुभ, मांगलिक अवसर पर आप सब को ढेर सारी बधाई एवं शुभ कामनाएं।

जीवन के हमारे हर वर्तमान पल पर जाने-अनजाने अतीत हमेशा हावी रहता है। आज हम जो कुछ भी हैं उसका सर्जन अतीत में ही हुआ और आज वर्तमान में हमारे सामने है। मैं यह बात इसलिए बताना चाहता हूँ क्योंकि हमारा वर्तमान ही हमारा अतीत बनता है और भविष्य का आधार बनता है। इसी कारण नए सालके हर दिन, यह आये हुए वर्तमानमें हमें इस तरह जीना चाहिए कि जिससे हमारा भविष्य भी समृद्ध, सुखी एवं संपन्न बने।

हमारे इस मुखपत्र "सेवा ज्योत" के माध्यम से आपको राजस्थान सेवा समिति द्वारा संचालित हमारे विद्यालयों की शिक्षा एवं इतर प्रवृत्तियों का परिचय मिलेगा। हम सब को इस बात का आनंद है की अविरोध गति से हमारी प्रवृत्तियां चलती रहती हैं और सविशेष आनंद यह है कि हमें शिक्षण एवं इतर क्षेत्र में कई सारे पारितोषिक मिलते रहे हैं। इसके लिए मैं हमारे विद्यार्थी, शिक्षक एवं आचार्यगण को बधाई देता हूँ।

मित्रों, राजस्थान सेवा समिति एक बेमिसाल परंपरा बन चुकी है और इसका सम्पूर्ण दायित्व हमारे उन वरिष्ठ महानुभावों को जाता है जिन्होंने समिति की नींव डाली और बादमें अपने अथक प्रयत्नों से इस परंपरा का सिंचन एवं जतन किया। हमें आनंद है कि इसी परंपरा का एक प्रभावशाली अंग है हमारे वर्तमान अध्यक्ष श्री गणपतराजजी। वर्ष के दौरान उनके साथ निकट से काम करने का अवसर प्राप्त हुआ और मैंने देखा कि राजस्थान सेवा समिति निरंतर उनकी सोच में रही है और इसी कारण वे तन-मन-धन से समिति की सेवा के लिए तत्पर रहे हैं तथा सभी साथियों को सहयोग देने के लिए प्रोत्साहित करते रहते हैं। हमें आनंद है कि अब उनके नेतृत्व एवं दीर्घदृष्टि का लाभ JITO संस्था को भी मिलेगा जहाँ आप राष्ट्रिय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अध्यक्ष बने हैं एवं नाकोड़ा जैन तीर्थ स्थल को भी मिलेगा जहाँ आप ट्रस्टी एवं वाईस चेयरमैन चुने गए हैं।

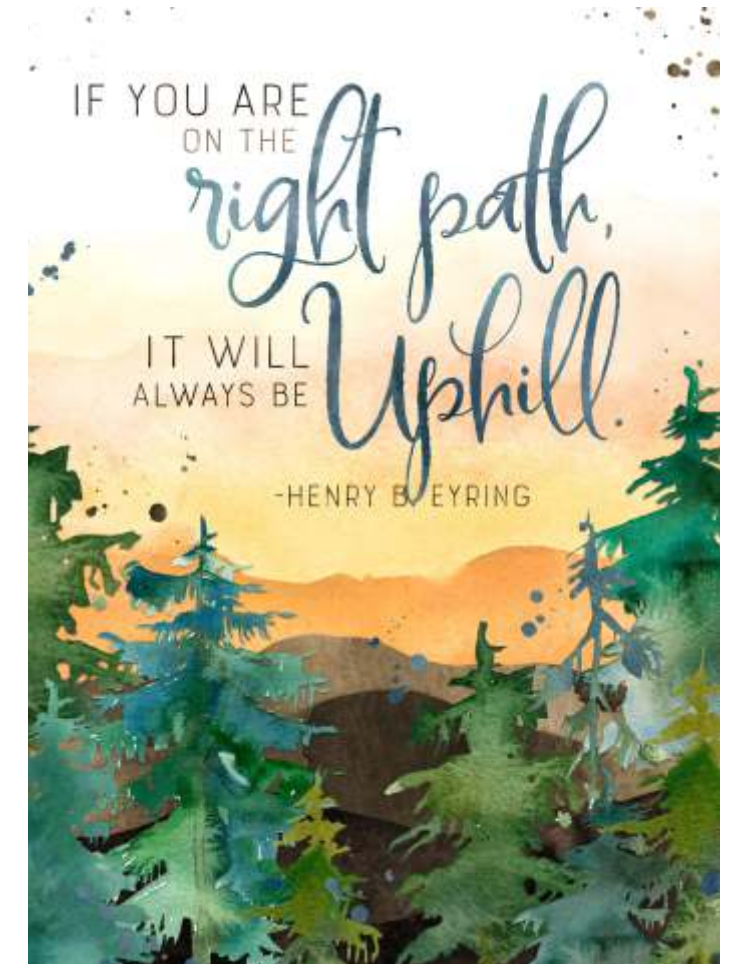
हमारे ट्रस्टीश्री गौतमजी जैन भी JITO संस्था के राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय डाइरेक्टर चुने गए हैं। उन्हें भी बहुत बहुत बधाई। हमारी राजस्थान हॉस्पिटल्स के नव-निर्वाचित ट्रस्टी एवं पदाधिकारियों को भी बहुत बहुत बधाई एवं शुभेच्छा। राजस्थान सेवा समिति के साथ संलग्न हमारे साथी अनेकविध संस्थाओंसे जुड़े हुए हैं और हमें आनंद है की हमारे साथियों का हर क्षेत्र में प्रभावशाली योगदान है।

मित्रों आइये, नए साल में हम सब, यह संकल्प करें कि शिक्षा के साथ साथ ऐसी कई सारी प्रवृत्तियों में अपना योगदान देते रहें जिससे हम धरती एवं पर्यावरण का सिंचन कर सकें। आप सब जानते हैं कि हमारा पूरा पर्यावरण आज खतरे में है। अफ़सोस की बात तो यह है कि पर्यावरण के इस खतरे के संकेत एवं परिणाम सामने होने के बावजूद भी हम इस समस्या के बारे में गंभीर नहीं हैं। व्यक्ति के लिए, समाज के लिए, देश एवं दुनिया के लिए पर्यावरण संरक्षण का समय अब आ चुका है और उसका निवारण आंखे बंध रखना नहीं है।

अंत में महान कवी रॉबर्ट फ्रॉस्ट की कविता के साथ मेरी बात पूर्ण करता हूँ।

“Some say the world will end in Fire,
Some say in Ice

From what I have tasted of Desire
I hold with those who favour Fire;
But if it had to perish twice
I think I know enough of Hate
To say that for destruction Ice
Is also great
& Would Suffice.”





SUBHASH DASANI
Convenor,
Bulletin Committee

आप सबको मेरा नमस्कार,

नूतन वर्ष - 2019 आपके और परिवार के लिए सुख, शांति संपन्न बना रहे ऐसी शुभ कामना।

हमारी राजस्थान सेवा समिति के मुखपत्र का इस साल का यह पांचवा अंक प्रस्तुत है। मुझे आनंद है कि "सेवा ज्योत" को सराहना एवं सूचना दोनों प्राप्त हो रहे हैं और हमारा विशेष ध्यान सूचनाओं पर रहता है क्योंकि यह सुनिश्चित सत्य है कि किसी भी प्रकाशन में रह गई त्रुटियां संपादक से कई बार नजर-अदा हो जाती है और अगर ऐसी त्रुटियां पाठकों द्वारा ध्यान पर लायी जाय तो हम मुखपत्र में आवश्यक परिवर्तन कर सकते हैं।

जैसे मैं हमारी पूर्व पत्रिकाओं में बता चुका हूँ हमारा सेवा ज्योत मुखपत्र हमने तीन भाग में विभाजित किया हुआ है। वह है, समिति के पदाधिकारी एवं कमिटी कन्वीनर के कार्यों पर विवरण, हमारी विद्यालय, विद्यार्थी एवं शिक्षा प्रवृत्तियों की जानकारी एवं कई सारे ऐसे लेख जो हमारे सदस्यों को पसंद आएँ। मैं आप को भी आमंत्रित करता हूँ की इस कार्य में आप आपके अनुभव एवं विशेष ज्ञान का योगदान हमें दें।

मित्रों राजस्थान सेवा समिति विद्यालयों में ढेर सारी प्रवृत्तियां हो रही हैं। हमारी नवीनतम प्रवृत्ति अटल टिकरिंग लैब (ATL) बेहद सफल रही है। बच्चों ने काफी उत्साह से लैबकी प्रवृत्ति में हिस्सा लेकर कई नए आविष्कार कायम किये हैं। ATL का सबसे महत्वपूर्ण योगदान मेरे ख्याल में यह है कि इससे बच्चों में जिज्ञासा का जन्म होता है।

विद्यालयों की हमारी इतर-प्रवृत्तियों का फलक काफी विस्तृत रहा है। इसमें किडर-गार्टन के बच्चों से लेकर बारहवीं कक्षा के बच्चों तकने अपना योगदान दिया है। गरबा, स्काउट, ट्रैफिक सेफ्टी, स्वच्छता अभियान, निबंध स्पर्धा, हिंदी दिवस जैसी कई सारी प्रवृत्तियां संपन्न हुई हैं और हमारे विद्यार्थी इनमे सफल रहे हैं।

हमारे लिए गर्व की बात है कि हमारी शाला की ही पूर्व विद्यार्थिनी सृजल जैन का सम्मान गुजरात राज्य के महामहिम राज्यपालश्री ओमप्रकाश कोहलीजी के वरद हस्तों से हुआ। समिति की ओर से मैं सृजल जैन को बधाई देता हूँ।

मैंने अटल टिकरिंग लैब के सन्दर्भ में जिज्ञासा की बात छोड़ी है और इसी सन्दर्भ में जिज्ञासा पर एक कविता प्रस्तुत है जिसमे कवि हरीशजी भादानी ने जिज्ञासा जिसकी हिरनी जैसी तेज गति है इसे "हिरनी जिज्ञासा" का विशेषण दिया है। मुझे आशा है बच्चों को यह प्रेरित करेगी।

और छलांगें भर
हिरनी जिज्ञासा

आदत है
गूंगे सूरज की
बैठा-बैठा आंख तरेरे
बिना ठौर की
हवा न पूछे
और सफ़र कितनी दूरी का
घिरे मौन के नीचे
आवाज़ तलाशो जा जिज्ञासा
और छलांगें भर
हिरनी जिज्ञासा

प्रश्नों का विस्तार
कहीं-कहीं पर
उत्तर के आभास दिया करता है
झुलस रही यायावर सांसें
थकें न हारें
देह छवाती जा जिज्ञासा
और छलांगें भर
हिरनी जिज्ञासा

यहीं कहीं पर
धरती उठ जाती
आकाश झुका करता है

झर-झरता
कल कलता
बह जाता है
इन्हीं क्षणों से छू जाने तक
पांव छापती जा जिज्ञासा
और छलांगें भर
हिरनी जिज्ञासा

f @ v jewelplus.in



Presenting

VAARSO
JEWELLERY FOR GENERATIONS

Family bond & love is eternal.
To preserve it, there is a
tradition of Vaarso;
To celebrate it, there is
a timeless collection.

Visit Jewel Plus and explore
this exclusive timeless
collection.



JEWEL-PLUS

Shivranjani Cross Road, Ahmedabad | 079 - 26926212

नूतन वर्ष - 2019 की ढेर सारी शुभ कामना

राजस्थान सेवा समिति के प्रिय परिवारजन,

नूतन वर्ष 2019 की आप सब को ढेर सारी शुभ कामना। नूतन वर्ष आप सब के जीवन में सुख, शांति, धन, वैभव एवं आनंद की बौछार लेकर आये ऐसी परमात्मा से प्रार्थना एवं अभ्यर्थना। आगंतुक वर्ष में आइये साथ साथ मिलके राजस्थान सेवा समिति एवं हमारे लोकहिताय कार्यों का परिध अधिकतम विस्तृत करते रहें एवं संस्था का नाम रौशन करते रहें।

आनेवाला हर दिन एवं हर पल हमारे लिए सेवा का अवसर बनें एवं हम निर्माण के निमित्त बनें।

गणपतराज चौधरी - अध्यक्ष

बाबूलाल सेखानी - उपाध्यक्ष एवं कन्वीनर सहपाठी कमिटी

भेरूलाल चौपड़ा - उपाध्यक्ष

श्याम टिबड़ेवाल - मानद् मंत्री

राजेन्द्र बागरेचा - सह-मंत्री

संपत दसाणी - कोषाध्यक्ष

रमाकान्त भोजनगरवाला - ट्रस्टी

खीमराज बालड़ - ट्रस्टी

तेजकरण लूणिया - ट्रस्टी एवं कन्वीनर ज्ञानोदय स्कूल कमिटी

गौतम जैन - ट्रस्टी

सुभाष दसाणी - कन्वीनर बुलेटिन कमिटी

भेरूलाल जैन - कन्वीनर राजस्थान हिन्दी हाईस्कूल कमिटी

भंवरलाल जैन - कन्वीनर राजस्थान भवन कमिटी

विवेककुमार श्रॉफ - कन्वीनर कम्प्यूटर कमिटी

ओमप्रकाश केडिया - कन्वीनर राष्ट्रीय कल्याण कमिटी

GANESH HOUSING

CORPORATION LIMITED
GUJ RERA Reg. No.:
MAA00012/240817/gujrera.gujarat.gov.in

ganeshhousing.com



Upgrade to Business Class Club



CLUBHOUSE • MINI THEATRE • BANQUET HALL • TODDLER ROOM • GYM
YOGA & MEDITATION AREA • POOL TABLE • KIDS GAMING ZONE & MORE

WELCOME TO THE MAPLE TREE CLUB.

Welcome a new era in lifestyle, leisure and luxury with Maple Tree. Our exquisite Clubhouse is designed to elevate the 'Club' experience that you tend to expect in Ahmedabad. The amenities like gym, yoga & meditation area and mini theatre are carefully planned to balance the requirements of mind, body and soul.



Visit Maple Tree and Experience this 'UPGRADED CLUB LIFE' with your family!

3 & 4 BHK Spacious Apartments @ SURDHARA CIRCLE, THALTEJ • 079-6777 6218-19

gointan

नूतन वर्ष - 2019 की ढेर सारी शुभ कामना



BHERULAL JAIN
Convenor, Rajasthan
Hindi High School Committee

सन्माननीय सदस्य गण।

राजस्थान हिंदी हाईस्कूल एवं राजस्थान इंगलिश हाईयर सेकेन्डरी स्कूल परिवार की ओर से आप सभी सदस्यगण को हमारा सादर वन्दन एवं नववर्ष की बहुत शुभवानाएं।

स्कूल परिवार की आचार्या डॉ. शैलजा नायर विगत करीबन 18 वर्षों से आचार्या पद पर कार्य करते हुए निवृत्त हुई हैं। उनका कार्यकाल स्कूल परिवार एवं विद्यार्थियों के लिए बड़े महत्व का रहा है। उसका कारण भी रहा है कि इनके कार्यकाल में कई उल्लेखनीय कार्य हुए हैं। इनके कार्यकाल में शिक्षा विभाग ने कई तरह के नवीन कार्यप्रणालीयां बोर्ड परीक्षाओं में तथा पाठ्यपुस्तकों में प्राप्त की। मार्क्स की प्रणालीया तथा विषयों के चयन में परिवर्तन आदि अनेक बातें भी जिनका तालमेल वर्तमान प्रणाली के साथ बैठाना था।

हमने अपनी ओर से भी कई नए परिवर्तन किए जिसमें कक्षाओं में ब्लेक बोर्ड के साथ साथ ओडियो विज्युअल प्रेजेंटेशन के द्वारा विषय को अच्छी तरह से प्रतिपादित करना विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियाँ प्रारंभ करना सेमिनार आदि के द्वारा उसका भी सफलतापूर्वक कार्यान्वित हुआ।

छात्रों के चहुंमुखी विकास के लिए प्रेक्षाध्यान के शिक्षा जगत के प्रयोग जीवन विज्ञान का समावेश शिक्षण में किया, जिसका सुचारू संचालन हुआ, जिसमें जीवन विज्ञान में ३५ शिक्षकों ने उसमें ग्रेज्युएशन किया। छात्रों के साहस और आत्मविश्वास एवं अनुशासन के लिए NCC Airwing का प्रारंभ किया गया और कालान्तर में छात्र एवं छात्राओं दोनों के लिए प्रारंभ किया उसका भी सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया। विश्व स्तरीय अंतरिक्ष विज्ञानी सुनीता विलियम्स के प्रोग्राम का तीन तीन बार सफलता पूर्वक आयोजन छात्र छात्राओं के उत्सावर्धन एवं विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने वाला बना जो कि श्रम साध्य एवं फलदायी था और उसके कार्यान्वित में भी उन्होंने अपनी कार्यक्षमता का पूरा उपयोग किया।

शिक्षण क्षेत्र में छात्रों के लिए विशेष कक्षाओं के आयोजन आदि के द्वारा शिक्षा के स्तर को सुधारने में श्रम किया और उसी के परिणाम स्वरूप अहमदाबाद में हमारी स्कूल बेस्ट 10 में स्थान प्राप्त कर सकी।

31 अक्टूबर को उनके कार्यकाल का अन्तिम दिन था और 1 नवम्बर को उनको संस्था से सम्मानपूर्वक विदाय समारोह आयोजन कर विदाय दी। संस्था उनके दीर्घजीवन की एवं स्वस्थ जीवन की शुभकामना करती है।

हम उनके शेष जीवन के मंगल भविष्य की शुभकामनाएं और वर्तमान में श्रीमती रीमा शर्मा को इन्चार्ज प्रिन्सिपल बनाकर कार्य करने को अधिकृत किया गया है।



TEJKARAN LOONIA
Convenor,
Gyanodaya School Committee

मुझे इस बात पर गर्व है कि मैं राजस्थान सेवा समिति संचालित ज्ञानोदय प्राथमरी स्कूल के कन्वीनर पद पर कार्यरत हूँ। इस पद पर रहते हुए मैं माँ सरस्वती के चरणों की सेवा कर पा रहा हूँ।

मुझे खुशी इस बात की होती है कि जिन बालकों को हम देश का भविष्य कहते हैं इन बालकों के विकास में मैं समिति सदस्यों के साथ भागीदार हूँ।

आज के प्रगतिशील युग में शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो बालकों का सर्वांगीण विकास कर सके। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए हम शाला की समग्र व्यवस्था करते हैं। हमारी शाला में क्लासरूम प्रयोगशाला, वाचनालय सभी सुविधाएँ उपलब्ध हैं बालकों को विज्ञान की समुचित शिक्षा दी जा सके इसलिए अटल टॉकिंग लेब की स्थापना की गई है, जिसे शिक्षा मंत्री भूपेंद्रजी चूडासमा ने भी सराहा है।

हमारे स्कूल में पढ़ाई के साथ – साथ को – केरिकुलर एक्टिविटीज भी चलती है। जिसमें वाद-विवाद प्रतियोगिता, मेहेंदी तथा चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन समय-समय पर किया जाता है।

स्काउट एवं गाइड के क्षेत्र में भी हमारा स्कूल कार्यरत है हर वर्ष केम्प का आयोजन किया जाता है। बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए शाला में योगाभ्यास भी होता है, अनेक प्रकार के खेलकूद की प्रवृत्तियाँ भी चलती हैं। सांस्कृतिक उन्नयन के लिए हमारे संगीत शिक्षक अन्य शिक्षकों के सहयोग से सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करते रहते हैं। कुल मिलाकर इस शाला प्रांगण में अभिभावकों की अपेक्षा तथा बालकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर सभी उपयोगी कदम उठाए जाते हैं। हमारी शाला की लोकप्रियता पूरे शहर में है। यहाँ पर सैकड़ों लोग प्रवेश हेतु आवेदन करते हैं। हमारे प्रिन्सिपल के उचित निर्देशन में हमारे शिक्षक गण भी अपना कर्तव्य पूरी निष्ठा के साथ निभाते हैं। मैं माँ सरस्वती का आभार प्रकट करता हूँ कि आपने ऐसी व्यवस्था में मुझे शामिल किया तथा प्रार्थना करता हूँ कि हे शारदे माँ ज्ञानोदय शाला इसी प्रकार सफलता के सोपान चढ़ता रहे।

धन्यवाद।



BHANWARLAL JAIN
Convener,
Rajasthan Bhawan Committee

आप सभी को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाये।

राजस्थान भवन कमिटी एवं हाउस कीपिंग कमिटी के सभी सदस्य तन-मन-धन से एक जुट होकर अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। प्रस्ताविक नये भवन निर्माण के तहत पुरानी व्यवस्थाओं में आवश्यक परिवर्तन किये जा रहे हैं। फिजिक्स, केमिस्ट्री एवं बायोलॉजी की लेब्स को स्कूल बिल्डिंग के पीछे अद्यतन रूप से सुचारू किया गया है एवं प्राइमरी विभाग की भी क्लासे नई बनाई गई। सभी विभागों में आवश्यक कार्य पूर्ण किये जा रहे हैं।

सभी डिपार्टमेंट के रिपेयरिंग काम (इलेक्ट्रिक, फर्नीचर, सी. सी. टीवी कैमरे, बिल्डिंग आदि) के लिए समिति कार्यालय में एक रजिस्टर रखा गया है जिसमें अपना सुझाव लिखें, जिस पर पूरा ध्यान दिया जाएगा।



OMPRAKASH KEDIA
Convener,
National Welfare Committee

ॐ सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा काश्चिदुखः भाग्भवेत्।
ॐ शांतिः शांतिः शांतिः॥

सभी सुविघ्नजनों को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ।

राजस्थान सेवा समिति समय के अनुरूप निरंतर नये प्रयास एवं योजनाओं की ओर अग्रसर हैं। हमारा प्रयास समाज के सभी वर्गों के लिए सुविधाएँ प्रदान कराना है। एक नये भविष्य की संकल्पना के साथ हमारे अध्यक्षश्री, मंत्रीश्री तथा सभी ट्रस्टीगण प्रयत्नशील हैं। माननीय अध्यक्ष श्रीगणपतजी के नेतृत्व में भवन निर्माण का स्वप्न जल्द ही हमारे सामने साकार होगा, जिसके लिए सभी आवश्यक प्रयास किये जा रहे हैं। मैं आशावादी हूँ कि आप सभी के सहयोग से यह लक्ष्य भी शीघ्र सिद्ध कर लिया जाएगा।

सह धन्यवाद।



VIVEKKUMAR SHROFF
Convener,
Computer Committee

Rajasthan Schools places lot of importance on good quality computer education for all its students. We have 8 experienced and trained computer teachers to teach the students of Std. 1 to 12 in English and Hindi mediums. We give education of Linux operating system from Std. 1.

We have 1 Dell server of Windows operating system, 2 Dell Servers of Linux operating system and i5 Workstation and i7 Workstation of Linux operating system. We have purchased a new i7 system for teaching of Animation and video software.

We ensure that each student practices on a dedicated computer for himself. By having a good number of teachers, we ensure that each student gets personalized attention while he is in the lab.

We had a visit from another school. They came to get guidance from us about infrastructure required and teaching methods.

The teachers arranged for extra batches of Std. 10th and 12th students during Navratri Vacation & Diwali Vacation to better prepare them for board exams.

Our HOD Mrs. Krishna Engineer attended a workshop to know about better teaching methods.



BABULAL SEKHANI
Convener,
Sahpathi Committee

मेरे सहपाठी मित्रों, पिछले कई समय से मैं इस बात से अवगत हूँ कि शाला से पढ़कर निकले पूर्व विद्यार्थियों ने अपने-अपने बैच के विद्यार्थियों को एकत्रित करके स्नेह मिलन समारोह किया। जिसके अंतर्गत वे सभी पूर्व शिक्षक और प्रधानाचार्य का सम्मान कर अपना वर्तमान परिचय देकर एक दुसरे से कई वर्षों बाद जुड़ते हैं। इन सभी ने पूर्व विद्यार्थियों का परिचयपत्र भरवाकर संपूर्ण Data Base तैयार किया है, जिससे सभी उनकी प्रवृत्तियों से परिचित हो सके।

मेरे कई सहपाठी मित्र सेवाकीय एवं सामाजिक कार्य में स्वयं एवं सरकार के साथ सहभागी होकर इन प्रवृत्तियों को करते हैं। १९८५ बैच के अनिलसिंह ने केरल के बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए सबसे अधिक प्रभावित जिले में जाकर पीने का शुद्ध पानी (RO Plant) स्थापित करके लोगों को पेयजल की सुविधा उपलब्ध करवायी जो अत्यंत सराहनीय और गौरवशाली कार्य किया। इसी अनिलसिंह ने बनासकांठा में आयी बाढ़ में भी अपना अमूल्य योगदान दिया था। इसी बैच के अनिलसिंह और हेमंत रामस्वरूप अग्रवाल ने मुनिसिपल्टी से जमीन लेकर उसमें वृक्षारोपण का कार्य किया जो अत्यंत सराहनीय कदम था।

आगामी लक्ष्य अलग अलग करीब १० बैच ने अपने स्नेह मिलन समारोह किया जिसे एक मंच पर सहपाठी से जोड़ना।

निष्ठावान, उत्साही, सेवाप्रवृत्त विद्यार्थियों की अलग-अलग टीम तैयार करना और उन्हें प्रवृत्तियों से जोड़ना।

मैं अपने तमाम सहपाठी मित्रों के उज्ज्वल भविष्य और स्वस्थ जीवन की मंगल कामना करता हूँ।

भावनतात्मक श्रद्धांजलि



श्री श्यामसुन्दरजी मदनलालजी रूंगटा

राजस्थान सेवा समिति के हमारे पूर्व अध्यक्ष श्री श्यामसुन्दरजी रूंगटा अब हमारे बीच नहीं रहे। बुधवार, दिनांक 28/11/2018 को आपका स्वर्गवास हो गया। यह दुःखद घटना, केवल उनके परिवार पर ही नहीं लेकिन समग्र राजस्थान सेवा समिति परिवार, राजस्थान हॉस्पिटल्स परिवार जहाँ आप को-चेयरमैन थे एवं कई सारी संस्थाएँ जिनके साथ आप जुड़े हुए थे, उन सबके लिए एक वज्रघात से कम नहीं है। सन्निष्ठ एवं सेवाभावी स्वाभाव श्री श्यामसुन्दरजी की खास विशेषता रही। राजस्थान सेवा समिति एवं राजस्थान हॉस्पिटल्स के प्रति उनका एवं उनके परिवार का योगदान अद्वितीय रहा। सामाजिक सेवा जैसे की आपके रक्तकण में बसी हुई थी। आपका दिवंगत होना संस्था के लिए तो सदमा है ही लेकिन समाज

ने भी एक अप्रतिम व्यक्तित्व को खो दिया है जिनका शून्यावकाश भर पाना असंभव है। आपकी याद एवं आपके अनगिनत शुभ कार्य हमेशा जीवित रहेंगे। श्री रूंगटाजी वर्ष 2010 से 2017 तक राजस्थान सेवा समिति के अध्यक्ष रहे और उसके पूर्व भी समिति में आपने कई सारी जिम्मेदारियाँ निभाई थी। आपके अध्यक्ष कार्यकाल में समितिमें बेहद सुन्दर कार्य हुए और खासकर शैक्षणिक प्रवृत्ति में काफी विकास हुआ। आपकी अध्यक्षता में ही राजस्थान सेवा समिति ने बेहद हर्ष एवं उत्साह के साथ संस्था की सुवर्ण जयंती का भव्य जश्र मनाया और सुवर्ण प्रसंग के अनुरूप काफी सेवा के कार्य भी संपन्न हुए। परिणामस्वरूप आपका यह कार्यकाल और भी यादगार बना रहा।

गुजरात रिसर्च मेडिकल इंस्टिट्यूट (GRMI) संचालित राजस्थान हॉस्पिटल्स में भी को-चेयरमैन पद पर रहकर आपने अमूल्य सेवाएँ प्रदान की और हॉस्पिटल्स को अत्याधुनिक बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

राजस्थान सेवा समिति परिवार, श्री श्यामसुन्दरजी रूंगटा के संस्था के प्रति अद्वितीय योगदान के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता है। आपके दिवंगत आत्मा को परमकृपालु परमात्मा शांति प्रदान करें एवं आपके परिवार को इस दुःखद घटना सहन करने की क्षमता दें ऐसी प्रार्थना करते हैं। हम सभी दिवंगत आत्मा की आध्यात्मिक उत्कर्ष की मंगलकामना करते हैं। प्रभु उन्हें चिर शान्ति प्रदान करें।

गणपतराज चौधरी, अध्यक्ष एवं
समग्र राजस्थान सेवा समिति परिवार

राजस्थान सेवा समिति, अहमदाबाद की 57 वीं वार्षिक साधारण सभा दिनांक 27/09/2018, गुरुवार के दिन प्रातः 11.30 बजे, समिति के सभा-खंड में संपन्न हुई, जिसमें कुल 70 सदस्य महानुभाव उपस्थित हुए।

मंत्री श्री ने सभा को सूचित किया की कोरम हो गया है अतः बैठक शुरू हुई आज की यह बैठक, समिति के अध्यक्ष श्री गणपतराजजी चौधरी की अध्यक्षता में हुई एवं उन्होंने आज का एजेंडा हाथ में लिया।

सभा के समक्ष राजस्थान सेवा समिति एवं अंगभूत संस्थाओं (Allied Institutions) राजस्थान हिन्दी हाईस्कूल, राजस्थान इंग्लिश हायर सेकेंडरी स्कूल (सेल्फ फाइनेंस), ज्ञानोदय शिशु मंदिर, ज्ञानोदय हिंदी प्राथमिक शाला, ज्ञानोदय इंग्लिश माध्यम प्राइमरी स्कूल, राजस्थान स्कूल्स कम्प्यूटर डिपार्टमेंट, राजस्थान भवन, सहपाठी एवं राजस्थान इंस्टिट्यूट फॉर प्रोफेशनल स्टडीज का हिसाबी वर्ष 2017-2018 का लेखा परीक्षक (Auditor) द्वारा जांचा हुआ तलपट एवं आय-व्यय विवरण मंत्री श्री द्वारा इस सभा के समक्ष रखा गया। उपस्थित सभासदों ने इसकी ब्योरेवार जानकारी ली एवं इसे सर्वसम्मति से स्वीकृत कर पारित किया।

राजस्थान सेवा समिति एवं इसकी अंगभूत संस्थाओं (Allied Institutions) का वर्ष 2017-2018 का वार्षिक विवरण इस सभा के समक्ष रखा गया। इसमें समिति एवं समिति संचालित प्रवृत्तियों की उपलब्धियों, योजनाओं एवं प्रवृत्तियों का विस्तृत विवरण दिया गया। इसे सभा ने सहर्ष, सर्वसम्मति से स्वीकृत किया।

इस सभा ने विचार विमर्शोपरांत हिसाबी वर्ष 2018-2019 के लिए मेसर्स मेहता लोढ़ा एंड कं., चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अहमदाबाद को लेखा परीक्षक (Auditors) नियुक्त किया एवं उनकी फी (शुल्क) राशि रु. 15000/- (रूपया पंद्रह हजार मात्र) स्वीकृत किया।

नए स्कूल, भवन, संकुल विकास बाबत अध्यक्षश्री एवं मंत्रीश्री द्वारा प्रकाश डाला गया। एतदर्थ अगली मीटिंगों में भी चर्चा-विचारणा करना तय हुआ।

तदुपरांत अध्यक्ष महोदय को धन्यवाद दे कर सभा संपन्न हुई।



DR. SHAILAJA NAIR
Rajasthan Hindi High School

The need, to conduct refresher course or In service training program time and again in the field of education, is obvious.

The objectives are:

- To acquaint the teachers with the new approaches to Education.
- To help teachers innovate their own methods and techniques of teaching.
- To understand the moods of the learners and bring about necessary changes, to create a conducive atmosphere.
- To enable the teachers to face some undesirable happenings in their classroom with patience and understanding.
- To encourage the learners to participate in the activities which could supplement their learning.
- To inspire the learner to enrich himself.
- To create a difference in the teacher & student relationship.
- To make the learning process more interesting and challenging.
- Last; but not the least, to Unlearn and Relearn.



RAVINDRASINH KACHCHHAVA
Rajasthan English
Higher Secondary School

MOTIVATION A KEY TO SUCCESS

Motivation a key to school success is defined as a need or drive to energize behaviour towards a goal. There may be theoretical reluctant learners but more motivating learners towards practical learning always exist. Parents are the key to find the motivating factors in a child.

Fear of failure, lack of challenge, lack of desire for attention may restrict motivational activity.

Parents, elders and teachers can help the child to give a good start. Providing a warm accepting home environment giving clear direction and feed back, building on students strength never comparing one's child with other children may lead to a positive motivational environment and help in building healthy, positive, optimistic children as the best future citizens of tomorrow.





SUNITA THAKUR
Gyanodaya Hindi Primary School

Gyanodaya School is a proud mission driven community providing a world class education, celebrating the fact that students is different, as a learner. We believe that powerful learning and teaching occurs under a shared of respect which creates a passionate schooling experience recognized for its warmth, energy and excellence. Here people are valued and can fulfill their potential both as teachers and learners. Here each course is a balanced course nurturing the child to develop as a whole individual.

We foster a positive spirit and believe in partnership between students, parents, teachers and support staff striving to creat a milieu that sustains excellence. Our distinction lies in the pursuit of high academic attainment through support encouragement, praise and motivation.



RIMA SHARMA
Rajasthan Hindi High School

"संस्कृति - संस्कार व शिक्षा"

हमारे पूर्वज एकता में अनेकता और अनेकता में एकता को देखने का पाठ पढ़ा गए हैं। संस्कृति कहिए या संस्कार, एक ही बात है। अनेक परंपरागत संस्कारों से ही किसी जाति, समुदाय, देश व राज्य की संस्कृति बनती है। हमारी विशेषता यह रही है कि देश में नाना धर्म, नाना पंथ, नाना विचार रहते हुए भी सब एक सूत्र में बंधे रहे। भारत का स्वाधीनता संग्राम उसका सटीक उदहारण है। अगर एक सूत्रमें नहीं बंधे रहते तो सैंकड़ों वर्षों की दासता, विदेशी विधर्मियों की प्रभुता का दीर्घकाल इनमें भारत जीवित ही कैसे रहा! इस पर विश्व आश्चर्य करता रहा।

यह सब संस्कृति और संस्कार के कारण ही संभव हो पाया। विपरीत परिस्थितियों को सहते-सहते उभरता गया। भारत ने स्वतंत्र होकर संसार के ईर्ष्यालु राष्ट्रों में परस्पर शांति-समृद्धि के सौजन्य के हेतु भारतीय संस्कृति व संस्कार से ओत-प्रोत एक सुन्दर उपाय बतलाया है। जोकि एक रामबाण औषधि है। और वह है

"I can not teach anybody anything I can only make them think"-socrates. Open mindedness, a multicultural orientation, independence, a global outlook multiple intelligence and abilities-these are the premium qualities needed today . As a 21st century organization, the school desires to set an approach to learning that incorporates inquiry, research analytical thinking and an ethical approach that becomes a lifetime habit. The students are helped to focus on confidence building, while nurturing a strong sense of social and environmental responsibility through academic and co-curricular activities as we believe like Paul "Bear" Bryant that, "It is not the will to win, but the will to prepare to win that makes the difference"

I strongly believe that education is a collaborative effort that involves professional administrators in creating a dynamic education programme empowering the students in a global perspective.

We are a group of diverse experiences and outlooks, committed to excellence in preparing learners for enriched opportunities worldwide. In short ,learning at Gyanodaya is a wholesome package of attitude, challenge and opportunity.

"पंचशील" जिसका संसार सेवन करे तो संसार के राष्ट्रों के समस्त दुःख दूर हो जायेंगे। हम अपनी संस्कृति संस्कार को संभाल पाएंगे तो हम पहले जैसे ही बने रहेंगे। बने ही नहीं रहेंगे बल्कि बिगड़े हुआओं को भी सुधार कर सन्मार्ग पर ला पाएंगे। और यही हमारी संस्कृति - संस्कार व शिक्षा का मुख्य उदेश्य है। मानव जाति को कर्तव्य पथ पर चलने के लिए अग्रसर किया है और करेंगे।

"As a teacher, we have an opportunity to foster positive changes to the every day experience in our school, investing time for improving school culture is worth the effort."

शिक्षा का अर्थ है हम अच्छी बातों को और अच्छे संस्कारों को ग्रहण करें। कुटिलता, चालाकी, धोखाधड़ी, छल-कपट और आपसी फूट हमें शिक्षा से कौंसो दूर लेजाकर खड़ा कर देती है। शिक्षा के क्षेत्र में इतना जरूर कहना है, कि देश के राजनैतिक, सामाजिक एवं आर्थिक क्षेत्र में हम अच्छी शिक्षा का अर्थ सही मायने में समझें और अपने को सात्विक बनाएं, शिक्षा के बिना मनुष्य पशु सामान है।

As Mahatma Gandhi has said, "A nation's true culture resides in the hearts and in the soul of its people."

"RESEARCH IS CREATING NEW KNOWLEDGE."



MRS. JAYSHREE KARIKKAN
Rajasthan Hindi High School

WHO IS THE BOSS?...YOU, OR THE MOBILE? Should we allow our smartphone be our Boss?

What made me pen this is the concern of parents who often approach asking whether a smartphone be given to their wards. They want it just because their friends have it, that too a better one than their friends'.

Giving a smartphone to your kid is like giving them the keys to the kingdom. There is a whole world out there that they can access without your knowledge. The world, which will be constantly beeping at your child, will forever change him/her.

For many people, life revolves around mobile phones. As experts put it, being thirteen is like a "real-time 24/7 popularity competition". The competition of owning better than his/her friend's, the competition of the volume of friends in Twitter, Instagram, Facebook etc, the competition of forwards in WhatsApp, the competition to be in limelight in social media, so on and so forth.

Can you venture to take the kids' smartphone for a couple of days? In all possibilities the child will go berserk, you may have to face their screams and tears, and it will be a difficult parenting moment altogether. They would rather not eat for a week than lose their phone.

What is this all about? Is it not an addiction? Addicted to an instrument, which according to an article in Time Health, is 10 times dirtier than a toilet seat. This is because bacteria thrive on it since it is seldom washed or sanitised. Is it not an irony that we thoroughly wash hands before eating but continue to hold and use the mobile while eating?

Technology always has its pros and cons. It is a wonderful gadget that one cannot do away with in the present world. Its potential is immense, utility is boundless, convenience is enormous, a great source of entertainment, immediate source of information, essential means of communication. Everything true provided you do not permit it to destroy your personality, health and does not allow to breach into your privacy and security. Have you ever thought what knife is – an instrument used in the kitchen or a weapon? Similar is the case with mobile phones. It all depends on the way it is used. Teenagers are engaged on their mobile phones all the time, be on calls, texting, personalizing the gadget with ringtones, themes etc., which often causes loss of concentration and creates distractions of all kinds. Despite all its harmful effects, students are prone to using mobiles in the classrooms leading to a lack of concentration and resultant vital threat to career. Late night chats with friends and attempt to hide it from parents leads to terrible decline of moral values. As the kids do not realise the effect and impact of mobile phones on their future, it is the duty and responsibility of the parents to educate and inculcate towards its proper use, make aware of ill effects, keep constant vigil as to what they do, monitor whom they contact and ensure controlled as well as disciplined use.

It is 'ATTITUDE' that will decide your destiny. So, mould it and be aware that the technology driven gadgets have immense potential to assist you but capable enough to destroy you. Be good enough to judge, wise enough to use. Learn to conquer, not to be conquered. Be your own boss. Only then can Mobiles be a good friend of great use.

Hats off to the man, Mr. Martin Cooper of Motorola, who first publicized handheld mobile phone call on a prototype DynaTAC model on 3rd April 1973.

My warm wishes for Happy & safe Diwali and a very prosperous New Year!

SEWA JYOT - JANUARY 2019

Yuval Noah Harari is a phenomenon. His very first book, "Sapiens" - The History of Humankind was so brilliant that it established him on the world stage as a thinker with exceptional insight.

"Sapiens" not only explores the Human History right since the time when humans used to move on their four legs, but it does it in such "Tongue in Cheek" manner that you enjoy reading every page, every paragraph & every word of this book.

"Sapiens" shows you what have been the human follies throughout the history which would have better been avoided, but after all it is a realization in the hindsight.

"Sapiens" has been so brilliant that President Barack Obama said it has given him a new perspective to look at things. It is also a favourite book of Bill Gates and Mark Zuckerberg recommended it in his "Book Club" List. More than eight million copies of "Sapiens" have been sold worldwide.

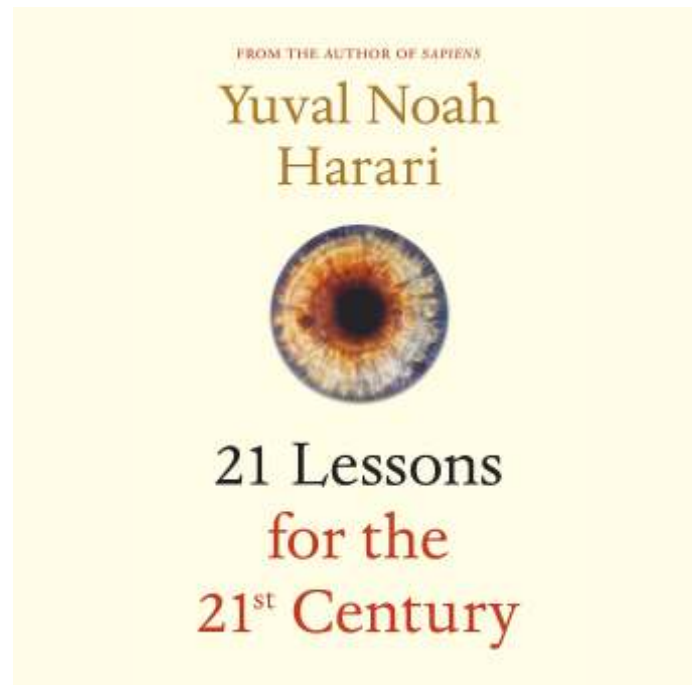
While In Sapiens, Yuval Harari explored the past. In his next, equally brilliant book, "Homo Deus", he looked to the future of mankind.

Considering the past & future of human beings, Yuval Harari has put up a beautiful statement on his website: **"History began when humans invented gods, and will end when humans become gods"**

And now as we look upon the future, there are multiple challenges for which we must be prepared. The challenges like:

- **Global Warming & Our Earth in Jeopardy.**
- **Artificial Intelligence that can made millions of people job-less.**
- **Bio-Technology which may have unbeknown consequences.**

Now, in his third book, "21 Lessons for the 21st Century" this one of the most innovative thinkers on the planet turns to the present to make sense of today's most pressing issues.



How do computers and robots change the meaning of being human? How do we deal with the epidemic of fake news? Are nations and religions still relevant? What should we teach our children?

Yuval Noah Harari's 21 Lessons for the 21st Century is a probing and visionary investigation into today's most urgent issues as we move into the uncharted territory of the future.

As technology advances faster than our understanding of it, hacking becomes a tactic of war, and the world feels more polarized than ever, Harari addresses the challenge of navigating life in the face of constant and disorienting change and raises the important questions we need to ask ourselves in order to survive. In twenty-one accessible chapters that are both provocative and profound, Harari builds on the ideas explored in his previous books, untangling political, technological, social, and existential issues and offering advice on how to prepare for a very different future from the world we now live in: How can we retain freedom of choice when Big Data is watching us? What will the future workforce look like, and how should we ready ourselves for it? How should we deal with the threat of terrorism? Why is liberal democracy in crisis?

Harari's unique ability to make sense of where we have come from and where we are going has captured the imaginations of millions of readers.

Here he invites us to consider values, meaning, and personal engagement in a world full of noise and uncertainty. When we are deluged with irrelevant information, clarity is power.

Presenting complex contemporary challenges clearly and accessibly, 21 Lessons for the 21st Century is essential reading.

Here are some of his brilliant thoughts: -

- "Consistency is the playground of dull minds."
- "One of history's few iron laws is that luxuries tend to become necessities and they spawn new obligations."
- "Happiness does not really depend on objective conditions of either wealth, health or even community. Rather, it depends on the correlation between objective conditions and subjective expectations."
- "We do not become satisfied by leading a peaceful and prosperous existence. Rather, we become satisfied when reality matches our expectations. The bad news is that as conditions improve, expectations balloon."
- "Domesticated chickens and cattle may well be an evolutionary success story, but they are also among the most miserable creatures that ever lived. The domestication of animals was founded on a series of brutal practices that only became crueller with the passing of the centuries."
- "The greatest scientific discovery was the discovery of ignorance. Once humans realised how little they knew about the world, they suddenly had a very good reason to seek new knowledge, which opened up the scientific road to progress."
- "Every day millions of people decide to grant their smartphone a bit more control over their lives or try a new and more effective antidepressant drug. In

pursuit of health, happiness and power, humans will gradually change first one of their features and then another, and another, until they will no longer be human."

- "People are usually afraid of change because they fear the unknown. But the single greatest constant of history is that everything changes."
- "Religion is a deal, whereas spirituality is a journey"
- "A meaningful life can be extremely satisfying even in the midst of hardship, whereas a meaningless life is a terrible ordeal no matter how comfortable it is."

Our recommendation is that you read all the three books. Keep your mind open while reading them, because the ideas are sometimes explosive.

- 1) Sapiens – A Brief History of Humankind.
- 2) Homo Deus – A Brief History of Tomorrow.
- 3) 21 Lessons for the 21st Century.



PRESIDENTIAL PEN TURNING TO VIKRAM SAMVAT 2075

The opening of New Year is the time to sit down and introspect. Here are 10 thoughts I want to share.

1. Let's always be willing to change our mind & approach with the continuously evolving and changing circumstances around us. Changing our mind is only possible when we have the ability to subordinate our Ego. It often happens that what we believe about a person or a situation or others' opinion proves to be wrong subsequently when the new facts emerge. We must therefore cultivate the ability to change our beliefs the moment we are confronted with new facts. Anyone who doesn't cultivate this habit of changing, and changing fast, will perish in the fast changing world.

2. Let not our focus be just money, status and recognition. Life & Nature have far more pleasures to offer. We can derive far more happiness exploring our inner self. Spare time to be with nature. Spare time to be with near and dear ones. Spare time to be alone. Do some charity which nobody should know about. Go to the places where no one knows us and enjoy being totally unknown, just one human being among the multiples of human beings.

3. Be generous. Offer time and resources for the well-being of others. Give credit where it is due. In fact give more and more credit to your Team for every achievement. Don't be miser in saying thanks, giving praise, expressing your gratitude. Smile often. Smile makes the face more beautiful than Frown.

4. Meditate. There are many methods of meditation in almost all religions. We must cultivate to spare some time daily to meditate. Meditation is nothing but absorbing your mind completely in a given activity so that you are able to put aside all stresses and all your tensions.

5. Don't feel guilty about enjoying your hours of sleep. However sleep should be neither in excess nor in short supply. Preferably 6 or 7 hours of sleep is ideal and it will completely refresh your whole personality. There is no better nurturing food in the world than the sleep. There is no better source of creative thoughts than sleep. It is during your sleep that the best of creative thoughts come in your mind. That is why it is said that whenever there is some big issue, instead of taking

immediate decision, we should sleep on the problem and only after that we should take a decision.

6. Only you know who you are. So the only testimonial that you should seek about yourself is only from yourself. Not from others. Believe in yourself. Examine yourself. Check your strengths and your weaknesses and constantly make the course correction.

7. Remember, productivity cannot be simply measured in terms of tangible output or profits. Every second, every day, your presence and your involvement create waves of positive changes. The output or profits may not be visible immediately, but eventually you will benefit from your continuous efforts. So even if no one is watching, even if no profit is coming just in a day, do your work sincerely and you will gain a lot.

8. Planting a tree, ensuring its growth and finally witnessing the fruits is a long process. The same thing is true for any long term project. It takes time. You must have patience and ability to work for many years. A big business or a big empire cannot be built in a day, month or year. It takes many years. But once it is built, the future generations will derive huge rewards & benefits. So do not expect immediate rewards by just doing small things. Go for something magnificent & ambitious. We all know that when some foreign dignitary visits India, they make it a point to visit the "Taj Mahal" because an Emperor had the vision, patience and resources to create such timeless monument.

9. Have a circle of friends whom you respect, whose wisdom you respect, who can add to your own knowledge and nurture bonds with such friends.

10. Finally don't lose hope if short term circumstances do not favour you. If our intentions are good then the lost cause and lost friends will be with us eventually. They will understand that our intentions were good. Do not be discouraged by the negativity of other peoples. They should not discourage or dishearten you. Elephants know only one thing. To walk majestically and with dignity.

Have Happy Vikram Samvat 2075.

Ganpatraj Chowdhary, President

GREEN GLADES
GODREJ GARDEN CITY, AHMEDABAD

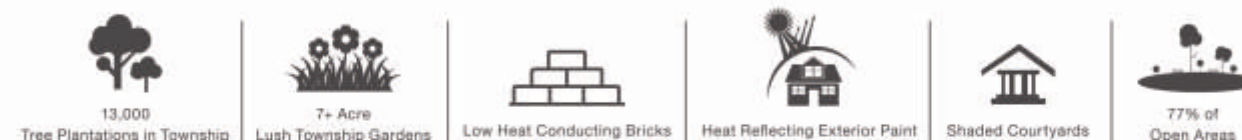
PRESENTING 2 & 3 BHK COOLER HOMES STARTING AT ₹45 LAKHS*

Open up to a world of abundance amidst serenity



Stock image for representative purpose only.

Project Highlights



For more details contact:

PRATIK +91 9724659301 | pratik.yagnik@godrejproperties.com

Joint Development Partner



Site Office: Godrej Garden City, Behind Nirma University, Off Sarkhej Gandhinagar Highway, Jagatpur, Ahmedabad – 382 740

The project is registered as GREEN GLADES, PR/GJ/AHMEDABAD/AHMEDABAD CITY/AUDA/RAA04138/271118, available at: <http://gujra.gujarat.gov.in>

This is not an offer/in invitation to offer and/or commitment of any nature. The images included are artist's impression indicating the anticipated appearance of ongoing development. The information is presented as general information and no warranty is expressly or impliedly given that the completed development will comply in any degree with such artist's impression or anticipated appearance. Recipients are advised to apprise themselves of the necessary and relevant information of the project(s)/offer(s) prior to making any purchase decisions. *Based on 15% reduction in average annual energy bills as per studies undertaken in compliance to IGBC guidelines. These simulations are carried out by Ecotrol Services Limited in conjunction to guidelines set up by IGBC Green Homes version 2.0 for Hot and Dry Climate in comparison to project features that are set to be executed. **As per AQI readings taken by Godrej Properties on 21st November 2018. *Agreement value does not include PLC charges, floor rise charges, any other charges, stamp duty charges and other government taxes. T&C Apply. Registration fees will be as applicable. The official website of the company is www.godrejproperties.com. Please do not rely on the information provided on any other website.



15 अगस्त 2018 को देश का 72 वां स्वातंत्र्य पर्व राजस्थान हिन्दी हाईस्कूल के प्रांगण में बड़े ही हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया गया। उपस्थित मंचस्थ महानुभावों में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान सेवा समिति के अध्यक्ष श्री गणपतराज चौधरी, समिति के माननीय पदाधिकारीगण, आचार्यगण, शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति में राष्ट्र ध्वज राष्ट्रिय सम्मान के साथ लहराया गया।

प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी वंदे-मातरम, ध्वजगीत, मार्च पास्ट का प्रदर्शन, N.C.C., एयरविंग के केडेट, इको क्लब के बच्चे, जीवन विज्ञान के छात्र, प्राइमरी के स्काउट तथा समग्र राजस्थान विद्यालय परिवार के छात्रों के द्वारा सम्पूर्ण राष्ट्रिय भावना के साथ प्रस्तुत किया गया। जीवन विज्ञान आचार्य महाप्रज्ञ के द्वारा निदर्शित ध्यान-योग का प्रदर्शन भी किया गया। तत्पश्चात राजस्थान स्कूल की शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए विद्यार्थियों को विविध पारितोषिकों से सम्मानित किया गया। N.C.C बेस्ट कैडेट एवं स्वच्छता अभियान के विषय पर एवं 'चित्र कला' स्पर्धा के विजेताओं को भी पारितोषिक दिया गया। टेकवेंडो में राज्य कक्षा में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

ज्ञानोदय प्राइमरी के विद्यार्थियों ने देश भक्ति की भावना को जागृत करती हुई नृत्यनाटिका प्रस्तुत की जिसमें 100 से भी अधिक छात्रों ने भाग लेकर उपस्थित जनसमुदाय को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं राजस्थान सेवा समिति के अध्यक्ष श्री गणपतराज चौधरी ने प्रसंगोपात् प्रेरणात्मक वक्तव्य से बच्चों को आशीर्वचन दिये।

'राष्ट्रगीत' के द्वारा कार्यक्रम का समापन किया गया।

अंत में लड्डू वितरण शाला की बैच 2003 के भूतपूर्व विद्यार्थी श्री राजेशजी बाबू सिंह भाटी के द्वारा किया गया।

डॉ. ममता यादव
शिक्षिका
राजस्थान हिन्दी हाईस्कूल



2 अक्टूबर महात्मा गाँधी की 150 वीं जन्म जयंती के पावन पर्व पर राजस्थान हिन्दी हाईस्कूल के कन्वीनर श्री भेरूलालजी हिरण के नेतृत्व में, आचार्य डॉ. शैलजा नायर, सेल्फ फाइनेन्स इंग्लिश मीडियम साइंस के प्रिन्सिपल श्री रवि कछावा, डॉ. शातिबेन शर्मा, शाला परिवार के माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक के शिक्षक गण और 300 विद्यार्थियों के साथ प्रातः 7.30 बजे गाँधी आश्रम में आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना सभा के लिए उपस्थित हुए।

गाँधी आश्रम के प्रातः कालीन सुरम्य वातावरण में जहाँ विद्यार्थी अपने पूर्ण गणवेश में थे वहीं शिक्षकगण खादी के स्वेत वस्त्रों में उपस्थित हुए।

प्रातः 8.30 बजे से प्रार्थना सभा के लिए उपस्थित मंचस्थ महानुभावों में गुजरात राज्य के महामहिम राज्यपाल श्री ओ. पी. कोहलीजी, गुजरात राज्य के उपमुख्यमंत्री श्री नितिनभाई पटेल, पद्मश्री रानीबेन बंग, मुख्य अतिथि घट चिरौली (महाराष्ट्र), सेवा अकादमी की अध्यक्ष इलाबेन भट्ट, अमेरिका के राजदूत केनथ जिस्टर, श्री जीतूभाई बंधाणी जैसे महानुभावों की उपस्थिति से समग्र वातावरण में एक विशेष ऊर्जा एवं उत्साह का संचार हो गया।

हृदय कुंज के समग्र परिसर को देखते ही देखते आश्रम द्वारा संचालित विद्यालय एवं महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने अपने चरखों पर सूत कातने की क्रिया कलाप से चैतन्य कर दिया। "सर्वधर्म प्रार्थना" का शुभारंभ वेद एवं उपनिषद् के मंत्रोच्चारों से किया गया, तत्पश्चात उपस्थित सभी धर्मों के गुरुजनों ने अपने-अपने धर्मों की प्रार्थना की। गाँधी विचार धारा की अग्रणी श्रीमती भद्राबहन और उनके साथियों ने गाँधीजी के प्रिय भजन वैष्णव जन..... का गान किया।

उपस्थित सभी मंचस्थ अतिथि एवं महानुभावों ने गाँधी विचारधारा और उनके 11 व्रतों से सम्बंधित अलग-अलग विचारों को जीवन में आज के परिप्रेक्ष्य में आत्मसात् करने की प्रेरणा दी।

प्रार्थना सभा के समापन के पश्चात राजस्थान हिन्दी हाईस्कूल के सभी विद्यार्थियों को सफाई विद्यालय ले जाया गया। यहाँ विद्यार्थियों ने निम्बू-पानी एवं अल्पाहार करने के पश्चात सभी विद्यार्थियों ने सफाई विद्यालय को एक 'सफाई मॉडेल' के रूप में देखा। जिससे ज्ञात हुआ कि यहाँ के स्वयंसेवकों ने बड़े ही लगन एवं परिश्रम से विद्यालय को सुशोभित किया है। सफाई विद्यालय के प्राकृतिक वातावरण में पंक्तिबद्ध योग एवं ध्यान की मुद्रा में बैठकर विद्यार्थियों ने प्रार्थना, गाँधीजी के प्रिय भजन के साथ जीवन विज्ञान की सुन्दर प्रस्तुति की।

उपस्थित सभी महानुभावों एवं स्वयंसेवकों ने गाँधी विचारधारा और स्वच्छता पर अपने-अपने विचार व्यक्त किये। सफाई विद्यालय के इन्चार्ज श्री जयेश पटेल ने विद्यार्थियों को गाँधीजी की 150वीं जन्मजयंती के उपलक्ष्य में कोई एक अच्छी आदत को 150 दिन तक सतत अपनाने का संकल्प कराया। शाला के कन्वीनर श्री भेरूलालजी हिरण ने इस प्रसंग पर गाँधीजी एवं विनोबा भावे के कार्यों का स्मरण करते हुए जीवन में सत्य-अहिंसा, स्वावलम्बन, परोपकार, निःस्वार्थ सेवा तथा स्वच्छता के मार्ग चलकर गाँधी विचारधारा को आजके परिप्रेक्ष्य में अपनाने पर बल दिया।

अंत में सभी विद्यार्थियों को स्मृति स्वरूप गाँधीजी के तीन बंदर और आत्मकथा 'सत्य के प्रयोग' का उपहार स्वरूप वितरण किया गया।

2 अक्टूबर पर गाँधी आश्रम की मुलाकात का उद्देश्य विद्यार्थियों में सत्य-अहिंसा, स्वावलम्बन तथा स्वच्छता की भावना को जागृत कर आज के परिप्रेक्ष्य में गाँधीजी की प्रासंगिकता को बताना है।

डॉ. ममता यादव
शिक्षिका,
राजस्थान हिन्दी हाईस्कूल

(Nelson Mandela was lovingly called "Madiba", because he belonged to "Madiba" clan).

It shows a poverty of ambition to just want to take more and more and more, instead of saying, "Wow, I've got so much. Who can I help? How can I give more and more and more?" That's ambition. That's impact. That's influence. What an amazing gift to be able to help people, not just yourself.

Second, Madiba teaches us that some principles really are universal – and the most important one is the principle that we are bound together by a common humanity and that each individual has inherent dignity and worth. It's surprising that we have to affirm this truth today. More than a quarter century after Madiba walked out of prison, I still have to stand here at a lecture and devote some time to saying that black people and white people and Asian people and Latin American people and women and men and gays and straights, that we are all human, that our differences are superficial, and that we should treat each other with care and respect. I would have thought we would have figured that out by now. I thought that basic notion was well established. But it turns out, as we're seeing in this recent drift into reactionary politics, that the struggle for basic justice is never truly finished. So we've got to constantly be on the lookout and fight for people who seek to elevate themselves by putting somebody else down. And by the way, we also have to actively resist – this is important, we have to resist the notion that basic human rights like freedom to dissent, or the right of women to fully participate in the society, or the right of minorities to equal treatment, or the rights of people not to be beaten up and jailed because of their sexual orientation – we have to be careful not to say that somehow, well, that doesn't apply to us, that those are Western ideas rather than universal imperatives.

Basic truths do not change. It is a truth that can be embraced by the English, and by the Indian, and by the Mexican and by the Bantu and by the Luo and by the American. It is a truth that lies at the heart of every world religion – that we should do unto others as we would have them do unto us. That we see ourselves in other people. That we can recognize common hopes and common dreams. And it is a truth that is incompatible with any form of discrimination based on race or religion or gender or sexual orientation. And it is a truth that, by the way, when embraced, actually



delivers practical benefits, since it ensures that a society can draw upon the talents and energy and skill of all its people. And if you doubt that, just ask the French football team that just won the World Cup. Because not all of those folks – not all of those folks look like Gauls to me. But they're French. They're French.

Embracing our common humanity does not mean that we have to abandon our unique ethnic and national and religious identities. Madiba never stopped being proud of his tribal heritage. He didn't stop being proud of being a black man and being a South African. But he believed, as I believe, that you can be proud of your heritage without denigrating those of a different heritage. In fact, you dishonor your heritage. It would make me think that you're a little insecure about your heritage if you've got to put somebody else's heritage down. Yeah, that's right. Don't you get a sense sometimes that these people who are so intent on putting people down and puffing themselves up that they're small-hearted, that there's something they're just afraid of. Madiba knew that we cannot claim justice for ourselves when it's only reserved for some.

When he was freed from prison, Madiba's popularity – well, you couldn't even measure it. He could have been president for life. Am I wrong? Who was going to run against him? Plus he was a young – he was too young. Had he chosen, Madiba could have governed by executive fiat, unconstrained by check and balances. But instead he helped guide South Africa through the drafting of a new Constitution, drawing from all the institutional practices and democratic ideals that had proven to be most sturdy, mindful of the fact that no single individual possesses a monopoly on wisdom. No individual – not Mandela, not Obama – are entirely immune to the corrupting influences of absolute power, if you can do whatever you want and

everyone's too afraid to tell you when you're making a mistake. No one is immune from the dangers of that.

Yes, democracy can be messy, and it can be slow, and it can be frustrating. I know, I promise. But the efficiency that's offered by an autocrat, that's a false promise. Don't take that one, because it leads invariably to more consolidation of wealth at the top and power at the top, and it makes it easier to conceal corruption and abuse. For all its imperfections, real democracy best upholds the idea that government exists to serve the individual and not the other way around. And it is the only form of government that has the possibility of making that idea real.

To make democracy work, Madiba shows us that we also have to keep teaching our children, and ourselves – and this is really hard – to engage with people not only who look different but who hold different views. This is hard.

Most of us prefer to surround ourselves with opinions that validate what we already believe. You notice the people who you think are smart are the people who agree with you. Funny how that works. But democracy demands that we're able also to get inside the reality of people who are different than us so we can understand their point of view. Maybe we can change their minds, but maybe they'll change ours. And you can't do this if you just out of hand disregard what your opponents have to say from the start. And you can't do it if you insist that those who aren't like you – because they're white, or because they're male – that somehow there's no way they can understand what I'm feeling, that somehow they lack standing to speak on certain matters. Madiba, he lived this complexity. In prison, he studied Afrikaans so that he could better understand the people who were jailing him. And when he got out of prison, he extended a hand to those who had jailed him, because he knew that they had to be a part of the democratic South Africa that he wanted to build. "To make peace with an enemy," he wrote, "one must work with that enemy, and that enemy becomes one's partner."

Politicians have always lied, but it used to be if you caught them lying they'd be like, "Oh man." Now they just keep on lying.

The denial of facts runs counter to democracy, it could be its undoing, which is why we must zealously protect

independent media; and we have to guard against the tendency for social media to become purely a platform for spectacle, outrage, or disinformation; and we have to insist that our schools teach critical thinking to our young people, not just blind obedience.

By the end of his life, Madiba embodied the successful struggle for human rights, but the journey was not easy, it wasn't pre-ordained. The man went to prison for almost three decades. He split limestone in the heat, he slept in a small cell, and was repeatedly put in solitary confinement. And I remember talking to some of his former colleagues saying how they hadn't realized when they were released, just the sight of a child, the idea of holding a child, they had missed – it wasn't something available to them, for decades.

And yet Madiba's power actually grew during those years – and the power of his jailers diminished, because he knew that if you stick to what's true, if you know what's in your heart, and you're willing to sacrifice for it, even in the face of overwhelming odds, that it might not happen tomorrow, it might not happen in the next week, it might not even happen in your lifetime. Things may go backwards for a while, but ultimately, right makes might, not the other way around, ultimately, the better story can win out.

So, young people, who are in the audience, who are listening, my message to you is simple, keep believing, keep marching, keep building, keep raising your voice. Every generation has the opportunity to remake the world. Mandela said, "Young people are capable, when aroused, of bringing down the towers of oppression and raising the banners of freedom." Now is a good time to be aroused. Now is a good time to be fired up.

"No one is born hating another person because of the color of his skin, or his background, or his religion. People must learn to hate, and if they can learn to hate, they can be taught to love, for love comes more naturally to the human heart." Love comes more naturally to the human heart, let's remember that truth. Let's see it as our North Star, let's be joyful in our struggle to make that truth manifest here on earth so that in 100 years from now, future generations will look back and say, "they kept the march going, that's why we live under new banners of freedom."

Thank you very much, South Africa, thank you.

On the verge of bidding farewell, to the institution, very close to my heart, I take this opportunity to recall some precious moments of my life. Being a South Indian, a challenge right from day one to head a school which had Hindi as one of its mediums of education. Being an English language teacher, I knew it was my time to improve in Hindi. It was the year 2001 and the month of June, which brought the new and old students back to school. With joy and speculation, I met them, along with the teachers of the school. Some of the staff members were elder to me, so striking a balance made me patient and hopeful. All were cooperative, but some were skeptical.

There were many changes at the Department level. Dealing with the DEO, Assistant education Inspectors, helped me to improve my Gujarati. All government circulars were to be understood, with the help of the administrative staff and executed. The president of Rajasthan Sewa Samiti Shri Sampatrajji was an inspiring figure. My Convenor Shri Bherulaji Hiran was ever ready to guide and set high goal always. Very often his perfectionism was difficult to achieve. Some of the changes that took place during this period are worth enumerating.

- From one English medium to three English mediums thus reducing three Hindi medium classes to one.
- Smart Classes and the advent of technology.
- The retirement of several senior staff members.
- The appointment of young qualified teachers.
- Computer included as a compulsory subject in the curriculum.
- Change of text books and introduction of NCERT curriculum.
- The revised examination pattern.

- Close observation of students activities with the installation of CCTV cameras.
- Induction of Girls in the NCC troop along with Boy cadets to encourage them.
- The introduction of Humanities (Arts) in the English Medium section.
- Change of Uniform for the students after a long Period.
- Yoga was being practiced regularly even before International Yoga Day, 21st June was declared.
- ATL का सफलता पूर्वक उद्घाटन माननीय शिक्षामंत्री श्री भूपेंद्रसिंह चुडासमा के कर-कमलों से हुआ और आज राजस्थान स्कूल के 6, 7, 8, 9 और 10 तक के विद्यार्थी उसका लाभ ले रहे हैं।
- अद्यतन टेक्नोलॉजी से क्लास रूम को सज्ज किया गया। कंप्यूटर और इंटरनेट दृश्य-श्राव्य माध्यम का उपयोग करके विद्यार्थियों को विविध विषयों का ज्ञान असरकारक रूप से प्राप्त हो रहा है।
- CCTV कैमरा के द्वारा विद्यार्थियों की सुरक्षा का ध्यान रखा गया है।
- अवकाशयात्री श्रीमती सुनिता विलियम्सने तीन बार शाला की मुलाकात ली और शाला के विद्यार्थियों को उनके ज्ञानसे लाभान्वित किया। साइंस सिटी में 20 अन्य शाला के विद्यार्थियों को लाभ प्राप्त हुआ।
- समय-समय पर साइंस सेमिनार एवं कॉमर्स सेमिनार का आयोजन करके विद्यार्थियों को वर्तमान समय के बदलाव से अवगत किया गया।
- Career Corner के अंतर्गत विविध शाखा के तज्ज्ञ को शाला में आमंत्रित करके बच्चों के साथ वार्तालाप का आयोजन भी किया।
- Eco - Club भी शाला में कार्यरत है। इसके अंतर्गत पर्यावरण जाग्रति के विविध कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- हर पांच साल में वार्षिकोत्सव का आयोजन होता है। जिसको Annual Function के रूप में मनाया गया है। जो कि पूर्णतः राजस्थानी संस्कृति की 'थीम' पर था। इस कार्यक्रम में विविध महानुभावों को आमंत्रित किया गया था। जिसमे इस वार्षिकोत्सव की अध्यक्षता श्रीमान भूपेंद्रसिंह चुडासमा (माननीय शिक्षामंत्री, गुजरात) ने की थी एवं कार्यक्रम की भूरी-भूरी प्रशंसा भी की थी।

- 150 वीं गाँधी जयंती के उपलक्ष्य में शाला के 300 बच्चों को सर्वधर्म प्रार्थना करने हेतु गाँधी आश्रम के हृदय कुञ्ज में ले गए और साथ ही में सफाई विद्यालय में गांधीजी के विचारों एवं फिलोसोफी पर वहां के स्वयं सेवकों के द्वारा प्रवचन को शाला के विद्यार्थियों को लाभान्वित करवाया गया।

As a school leader, professional development of teachers was always a matter of prime concern. Meritorious students, who excelled in academics and sports have been awarded.

SWOT Analysis was a regular feature of my work. The objective was to utilize the resources and make them real contributors. There might be very few trusts like Rajasthan Sewa Samiti that runs Rajasthan Hindi High School and other schools. This Public Trust is unique of

its structure and management without any interference thus allowing management without any interference in day to day activities.

I have realized that being in a school is an evolving process and large changes often begin with small steps. These steps have brought me to a turning point and I have full faith that with the management's new projects and kind advice, the school will scale new and better heights.

Gifts tell a story!



AT EMROOT, WE BELIEVE IN CREATING GIFTS & HAMPERS THAT NARRATES STORY OF A RELATION BETWEEN THE GIFT GIVER & RECEIVER..

M: +91 95588 10745 | follow us on .f | E : kinjal@emroot.in

There is a well-known saying in English:
 "Early to bed & early to rise
 Makes a man, healthy, wealthy & wise."

This indeed is very true. At least seven to eight hours of sleep fully energizes you and enables you to ensure optimal performance the next day and also make your best decisions.

Jeff Bezos, CEO of Amazon says he makes sure to get 8 hours of sleep every night, explaining that he doesn't want to risk making poor executive decisions because he's "tired or grouchy."

One more thing he has mentioned is that as the CEO of AMAZON his focus is only on taking "a few very important decisions" that affect the fate & fortune of his company and therefore unless he is fully refreshed after enough amount of sleep, his decisions could be faulty and they could adversely affect the future of the company.

He further mentioned that he prioritizes sleep because it enables him to think better, provides him more energy and improves his mood.

There is a belief that if we just curtail one or two hours from our daily sleep, then we will have more hours to function, but in fact these additional two or three hours will not be very productive or efficient as we will be more lethargic during such additional hours. So the key word here is "Balance".

There is a beautiful phrase about sleep. It is **"Sleep Debt"**:

Suppose you lost two hours of sleep every night one week because of a big project due on Friday. On Saturday and Sunday, you slept in, getting four extra hours. On Monday morning, it is possible that apparently you might be feeling full of vigour, but it is



actually false vigour. You're still carrying around a heavy load of sleepiness, which is called "sleep debt"- in this case something like six hours i.e. almost a full nights' sleep. Whether you notice it or not, this sleep deprivation will impact your decision making power as well as your productivity. (Sleep debt is the difference between the amount of sleep you should be getting and the amount of sleep you actually get).

What is however very important for all of us is to find out and decide what is our own individual ideal "Sleep Requirement". Because "Sleep Requirement" varies from person to person. There are leaders like Prime Minister Narendra Modi who performs very best with minimum amount of sleep. The same is the case with many of our spiritual leaders for whom sleep is secondary.

In fact, everyone's individual sleep requirement varies. In general, most healthy adults are built for 16 hours of wakefulness and need an average of eight hours of sleep a night. However, some individuals are able to function without sleepiness or drowsiness after as little as six hours of sleep. Others can't perform at their peak unless they've slept ten hours. And, it is also a proven fact that contrary to common belief, the need for sleep doesn't decline with age but what happens is that our ability to sleep for six to eight hours at one

single time may get reduced so that we need to cover this amount of sleep during the course of the day.

Stress is the number one cause of short-term sleeping difficulties according to experts. Common triggers are school- or job-related pressures, a family or marriage problem and a serious illness or death in the family. Usually the sleep problem disappears when the stressful situation passes.

One should also try to avoid drinking tea/coffee etc. nearer to bedtime since caffeine in such beverages will be a hindrance to induce sleep. A bath before sleep, soothing music, no unnecessary noise, a few minutes of meditation before going to bed, comfortable bed & bed-room and above all your worry-free mind are ingredients for good sleep.

There is a nice anecdote with regard to sleep: Above the king-sized Bed in the deluxe bed-room of a five star hotel was placed the following inscription,

"IF YOU CAN'T GET SLEEP IN THESE TRANQUIL SURROUNDINGS, DON'T BLAME US, BUT BLAME YOUR CONSCIENCE."

William Shakespeare has beautifully described the importance of sleep in our life, as under:

"Sleep that knits up the ravelled Sleeve of Care;
 The Death of each Day's Life
 Sore Labour's Bath,
 The Balm of Hurt Minds;
 Great Nature's Second Course,
 Chief Nourisher in Life's Feast."

Making space , MORE SPACIOUS



■ **Modular Office Furniture Systems**



■ **Space Saving File Storage Systems**



DISPLAY CENTER
SPACE PLAN SYSTEMS - 703 , Pinnacle Business Park,
Nr. Prahlad Nagar Garden, Corporate Road, Ahmedabad - 38 0015

9825197937

spaceplan@balas.in

www.balas.in

FAREWELL FUNCTION OF RETIRING PRINCIPAL DR. SHAILJA NAIR

It is a cherished tradition at Rajasthan Sewa Samiti to honour and appreciate the retired staff who have devoted many years of their career in serving the organization. This proved especially true as the Samiti & the Schools bade befitting farewell to Dr. Shailja Nair who served as the Principal of Rajasthan Hindi High School and brought laurels to the organization.

In her farewell function Dr. Nair was felicitated & honoured by Rajasthan Sewa Samiti as well as by Rajasthan School Parivar befitting to her long tenure of 18 years. The President of Rajasthan Sewa Samiti Shri Ganpatraj Chowdhary remained present to felicitate the retiring principal.

Various dignitaries from Rajasthan Sewa Samiti remained present on this occasion. There was large presence of teachers & students from various schools Rajasthan Sewa Samiti and the farewell was given recounting her services. There was a sense of loss among the management & the staff having bid farewell to someone whose contribution has been exemplary.

President of Rajasthan Sewa Samiti Shri Ganpatrajji Chowdhary appreciated the work of Dr. Nair and also made students to take an oath to become disciplined like her.

The Convener of Rajasthan Hindi High School Committee Shri Bherulaji Hiran spoke at length about distinguished career of Dr. Nair.

On the occasion Principal Shri Ravindrasinh Kachchhava from Rajasthan English Higher Secondary School and Principal Smt. Sunita Thakur from Gyanodaya Hindi Primary School also expressed their felling by honouring Dr. Nair and expressing their appreciation.

From among the teachers Shri Arvind Bhardwaj, Smt. Reema Sharma and Shri K. N. Sharma also expressed their feelings on behalf of all the teachers.

From the students two of them expressed their gratitude towards Dr. Nair.

The introductory speech of the function was given by Smt. Nita Shukla and Vote of Thanks was proposed by Shri D.V. Taneja.

As a token of felicitation Dr. Shailja Nair was presented a bouquet of flowers, shawl & memento from the management of Rajasthan Sewa Samiti as well as teachers from all the departments.

The function concluded with good wishes showered upon Dr. Nair by all.

LETTER OF APPRECIATION GIVEN TO DR. SHAILJA NAIR



POWERING AMBIENT MEDIA

to the Indian Advertising & Marketing Industry, since 2005.

Servicing
2000+
Esteemed Clientele

Across
33 cities
in India

2000+ Multiplex Screens | 350+ Malls | 700+ Coffee Shops
 10+ Airports | 350+ QSRs | 250+ Gyms | 600+ Hypermarkets



If it's ambient, it's

khushi
ambient media solutions

To advertise or partner,
E-mail : inquiry@khushiadvertising.com

www.khushiadvertising.com



Leading Ambient Media Agency | 33 Cities | 250+ Professionals | 350+ Leading Brands



सरकार आयुष्मान भारत योजना (ABY) शुरू कर चुकी है। इस योजना को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PM-JAY) भी कहा जाता है। यह वास्तव में हेल्थ इश्योरेंस स्कीम है। PM-JAY के तहत देश के 10 करोड़ परिवारों को सालाना 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध होगा।

क्या है आयुष्मान भारत योजना (ABY) का लक्ष्य?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'प्रधानमंत्री जन आरोग्य' योजना (आयुष्मान भारत योजना यानी ABY) की घोषणा की है। इसे पंडित दीन दयाल उपाध्याय की जयंती पर 25 सितंबर से देशभर में लागू कर दिया गया है। सरकार ABY के माध्यम से गरीब, उपेक्षित परिवार और शहरी गरीब लोगों के परिवारों को स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराना चाहती है।

सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना (SECC) 2011 के हिसाब से ग्रामीण इलाके के 8.03 करोड़ परिवार और शहरी इलाके के 2.33 करोड़ परिवार आयुष्मान भारत योजना (ABY) के दायरे में आयेंगे। इस तरह PM-JAY के दायरे में 50 करोड़ लोग आएंगे। आयुष्मान भारत योजना (ABY) में हर परिवार को सालाना पांच लाख रुपये का मेडिकल इश्योरेंस मिलेगा। साल 2008 में यूपीए सरकार द्वारा लांच राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना को आयुष्मान भारत योजना (PM-JAY) में मिला दिया जायेगा।

कैसे मिलेगा कवरेज?

मोदी सरकार की कोशिश यह है कि महिला, बच्चे और सीनियर सिटीजन को ABY में खास तौर पर शामिल किया जाय। आयुष्मान भारत योजना (ABY) में शामिल होने के लिए परिवार के आकार और उम्र का कोई बंधन नहीं है। सरकारी अस्पताल और पैनल में शामिल अस्पताल में आयुष्मान भारत योजना (ABY) के लाभार्थियों का कैशलेस/पेपरलेस इलाज हो सकेगा।

ABY की योग्यता का निर्धारण कैसे होगा?

SECC के आंकड़ों के हिसाब से आयुष्मान भारत योजना (ABY) में लोगों को मेडिकल इश्योरेंस मिलेगा। SECC के आंकड़ों के हिसाब से ग्रामीण इलाके की आबादी में D1, D2, D3, D4, D5 और D7 कैटेगरी के लोग आयुष्मान भारत योजना (ABY) में शामिल किये जायेंगे।

शहरी इलाके में 11 पूर्व निर्धारित पेशे/कामकाज के हिसाब से लोग आयुष्मान भारत योजना (ABY) में शामिल हो सकेंगे। राज्यों में राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना में पहले से शामिल लोग खुद ही आयुष्मान भारत योजना (ABY) में शामिल हो जायेंगे।

ग्रामीण इलाके के लिए ABY की योग्यता

आयुष्मान भारत योजना (ABY) में शामिल होने के लिए मोटे तौर पर ये योग्यता हैं:

- ग्रामीण इलाके में कच्चा मकान, परिवार में किसी व्यस्क (16-59 साल) का नहीं होना, परिवार की मुखिया महिला हो, परिवार में कोई दिव्यांग हो, अनुसूचित जाति/जनजाति से हों और भूमिहीन व्यक्ति/दिहाड़ी मजदूर
- इसके अलावा ग्रामीण इलाके के बेघर व्यक्ति, निराश्रित, दान या भीख मांगने वाले, आदिवासी और कानूनी रूप से मुक्त बंधुआ आदि खुद आयुष्मान भारत योजना (ABY) में शामिल हो जायेंगे।

शहरी इलाके के लिए ABY की योग्यता

आयुष्मान भारत योजना में शामिल होने के लिए मोटे तौर पर ये योग्यता हैं:

- भीख मांगने वाले, कूड़ा बीनने वाले, घरेलू कामकाज करने वाले, रेहड़ी-पट्टी दुकानदार, मोची, फेरी वाले, सड़क पर कामकाज करने वाले अन्य व्यक्ति
- कंस्ट्रक्शन साईट पर काम करने वाले मजदूर, प्लंबर, राजमिस्त्री, मजदूर, पेंटर, वेल्डर, सिक्वोरिटी गार्ड, कुली और भार ढोने वाले अन्य कामकाजी व्यक्ति
- स्वीपर, सफाई कर्मी, घरेलू काम करने वाले, हेंडीक्राफ्ट का काम करने वाले लोग, टेलर, ड्राईवर, रिक्शा चालक, दुकान पर काम करने वाले लोग आदि आयुष्मान भारत योजना (ABY) में शामिल होंगे।

ABY में अस्पताल में भर्ती की प्रक्रिया

- आयुष्मान भारत योजना (ABY) का लाभार्थी अस्पताल में एडमिट होने के लिए कोई चार्ज नहीं चुकाएगा।
- अस्पताल में दाखिल होने से लेकर इलाज तक का सारा खर्च इस योजना में कवर किया जायेगा।
- आयुष्मान भारत योजना (ABY) के लाभ में अस्पताल में दाखिल होने से पहले और बाद के खर्च भी कवर किये जायेंगे।
- पैनल में शामिल हर अस्पताल में एक आयुष्मान मित्र होगा। वह मरीज की मदद करेगा और उसे अस्पताल की सुविधाएं दिलाने में मदद करेगा।
- अस्पताल में एक हेल्प डेस्क भी होगा जो दस्तावेज चेक करने, स्कीम में नामांकन के लिए वेरिफिकेशन में मदद करेगा।
- आयुष्मान भारत योजना में शामिल व्यक्ति देश के किसी भी सरकारी/पैनल में शामिल निजी अस्पताल में इलाज करा सकेगा।

क्या-क्या हैं ABY में शामिल?

आयुष्मान भारत योजना (ABY) में तकरीबन हर बीमारी के लिए चिकित्सा और अस्पताल में दाखिल होने का खर्च कवर है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने आयुष्मान भारत योजना (ABY) में 1354 पैकेज शामिल किये हैं। इसमें कोरोनरी बायपास, घुटना बदलना और स्टंट डालने जैसे इलाज शामिल हैं।

आयुष्मान भारत योजना (ABY) में इलाज का खर्च केंद्र सरकार की स्वास्थ्य योजना (CGHS) से 15-20 फीसदी कम है।

लाभार्थी की योग्यता क्या है?

आयुष्मान भारत योजना (ABY) का लाभ लेने के लिए कोई औपचारिक प्रक्रिया नहीं है। एक बार योग्य होने पर आप सीधे इलाज करा सकते हैं। सरकार द्वारा चिन्हित परिवारों के लोग इस योजना में शामिल हो सकते हैं।

केंद्र सरकार सभी राज्य सरकार और इलाके की अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ योग्य परिवार की जानकारी साझा करेगी। उसके बाद इन परिवारों को एक फैमिली आइडेंटिफिकेशन नंबर मिलेगा। लिस्ट में शामिल लोग ही आयुष्मान भारत योजना का लाभ उठा सकते हैं।

जिन लोगों के पास 28 फरवरी 2018 तक राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना का कार्ड होगा, वे भी आयुष्मान भारत योजना का लाभ उठा सकते हैं।

किस अस्पताल में होगा इलाज?


सभी सरकारी अस्पताल में आयुष्मान भारत योजना (ABY) के लाभार्थी इलाज करा सकते हैं। इसके साथ ही सरकार के पैनल में शामिल निजी अस्पताल में भी इलाज कराया जा सकेगा।

पैनल में शामिल होने के लिए निजी अस्पताल में कम से कम 10 बेड और इसे बढ़ाने की क्षमता होनी चाहिए।

लाभार्थी सरकार द्वारा ABY के लिए जारी हेल्पलाइन नंबर पर भी कॉल कर सकते हैं: 14555

- इकोनॉमिक टाइम्स से साभार

61 years of eye care & eye wear. Now with a new look



naggar™

Since 1957

All international brands available.

Services

- Comprehensive eye check up
- Retinal photography, Corneal topography.
- All types of spectacles & prescription sunglasses
- All types of contact lenses
- Speciality contact lens for irregular corneal conditions
- Orthokeratology

C.G.Road
+91 96389 59229

Satellite
+91 94270 49680

Bopal
(Opening soon)
+91 99786 64646

Like & follow us on: f @

www.nagareyes.com
info@nagareyes.com

LOVE, THE UNENDING RESOURCE RUNNING DRY

The cosy morning of October forced me to leave my bed and be with nature in the nearby park. It was a moment that touched my soul when I saw a dog family sleeping at ease and the puppies never wanting to spare even an inches space between them and their mother. The young ones heavily laden with love and the pampering of the mother, a scene full of affection. A food for thought was received and the whole day my mind was entangled in it.

The overwhelming feeling of joy, the hearty welcome by the cousins, the tearful eyes of Grandma, the simple food served with ultimate affection and the small town giving a feel of the greatest place under the sky were all the part of our lives which have become the greatest memories. The air of freedom, care and nearness with the loved ones was highly in demand and all that mattered was the laughter which echoed in the homes. No matter how ruthless was the electricity department on us still the power cut was enjoyed more than the A.C.s in the resorts.



Now when the year starts the advance booking of solely self centered nuclear families begin. The materialistic pleasure has grabbed the place of real pleasure.

The perennial river of love has slowly started becoming narrow and shallow with the continuous decrease in water day by day.

In the past there was a lot to think, feel, enjoy and celebrate even when there were less resources but the thrill of being together kept the zeal alive.

The seasons, festivals and vacations all added to our enthusiasm. The scorching heat also was unable to keep the children indoors and in the severe winters too the pleasure to bathe with ice cold water existed. Still there existed pleasure without leisure. Resources were limited but an unlimited enjoyment enthralled. Money was less but togetherness was cared for. The true world was laid in the traditions customs and the fervor of respect and love was spread like a soothing balm on each face.

Where are the days? Where is the time gone? Do we care to ask ourselves?

Nuclear families coming up with fewer responsibilities are leading to venues of emptiness, hollowness and selfishness. We are busy making our career graph grow day by day but the gold possessed in our hearts is reducing with each day that comes. We unknowingly are becoming popper with a huge bank balance at hand. All is because of the loss of balance in our lives. Hence the need of the day is to impart an emotional quotient than an intellectual quotient. Then the world will start living with humans rather than with the concrete walls and the river of love will have the God of affection deeply absorbed in giving blessings to humans.

MRS. RICHA TIWARI

FS Future Solutions Group
LEADER IN POWER PROTECTION

POWER BACKUP SALES . SERVICE . RENTAL
Online/Offline UPS • Inverters
Servo Stabilizers • Industrial Batteries
Safety Sensors

Authorised Premium Dealer
EATON UPS

MICROTEK **EXIDE** **AMARON QUANTA** **ATIGO**

POWER PACK SYSTEMS

"Hani House", Ground Floor, B/h. Oriental Bank of Commerce, Shyamal Cross Roads, Satellite, Ahmedabad-380 015.

E info@powerpacksystems.in, powerpacksystems2611@gmail.com
M 9824013589 P +91 79 2674 6605 / 06, 26306052

K3DC +91 98794 78822

FS Future Solutions
AIRCONDITIONING SOLUTIONS FOR THE FUTURE

DAIKIN

SALES + SERVICE = Future Solutions GUJARAT'S LARGEST SERVICE NETWORK

LICENSE TO CHILL

HI WALL UNITS
CASSETTE UNITS
DUCTABLE UNITS
VRV SYSTEMS
CHILLERS

0% FINANCE AVAILABLE

FUTURE SOLUTIONS
DAIKIN SOLUTION PLAZA

Jyoti Plaza, Shyamal Cross Roads, Satellite, AHMEDABAD.
+91 79 26746605 / 06, +91 99789 69242

GANDHINAGAR SHOWROOM
5/GF, Ugati Corporate Park, Opp. Pratik Mall, Nr. HDFC Bank, Kudasana. T 079 2360 0789

futuresoluindia@gmail.com
www.futuresoluindia.com

K3DC +91 98794 78822

वर्षों तक वन में घूम-घूम,
बाधा-विघ्नों को चूम-चूम,
सह धूप-घाम, पानी-पत्थर,
पांडव आये कुछ और निखरा

यह देख, गगन मुझमें लय है,
यह देख, पवन मुझमें लय है,
मुझमें विलीन झंकार सकल,
मुझमें लय है संसार सकला

'अम्बर में कुन्तल-जाल देख,
पद के नीचे पाताल देख,
मुट्टी में तीनों काल देख,
मेरा स्वरूप विकराल देख।

'भाई पर भाई टूटेंगे,
विष-बाण बूँद-से छूटेंगे,
वायस-शृगाल सुख लूटेंगे,
सौभाग्य मनुज के फूटेंगे।

सौभाग्य न सब दिन सोता है,
देखें, आगे क्या होता है।

अमरत्व फूलता है मुझमें,
संहार झूलता है मुझमें।

सब जन्म मुझी से पाते हैं,
फिर लौट मुझी में आते हैं।

आखिर तू भूशायी होगा,
हिंसा का पर, दायी होगा।'

मैत्री की राह बताने को,
सबको सुमार्ग पर लाने को,
दुर्योधन को समझाने को,
भीषण विध्वंस बचाने को,

'उदयाचल मेरा दीप्त भाल,
भूमंडल वक्षस्थल विशाल,
भुज परिधि-बन्ध को घेरे हैं,
मैनाक-मेरु पग मेरे हैं।

'जिह्वा से कढ़ती ज्वाल सघन,
साँसों में पाता जन्म पवन,
पड़ जाती मेरी दृष्टि जिधर,
हँसने लगती है सृष्टि उधर।

थी सभा सन्न, सब लोग डरे,
चुप थे या थे बेहोश पड़े।
केवल दो नर ना अघाते थे,
धृतराष्ट्र-विदुर सुख पाते थे।

भगवान् हस्तिनापुर आये,
पांडव का संदेश लाये।

दिपते जो ग्रह नक्षत्र निकर,
सब हैं मेरे मुख के अन्दर।

मैं जभी मुँदता हूँ लोचन,
छा जाता चारों ओर मरण।

कर जोड़ खड़े प्रमुदित, निर्भय,
दोनों पुकारते थे 'जय-जय'।

'दो न्याय अगर तो आधा दो,
पर, इसमें भी यदि बाधा हो,
तो दे दो केवल पाँच ग्राम,
रक्खो अपनी धरती तमाम।

'दृग हों तो दृश्य अकाण्ड देख,
मुझमें सारा ब्रह्माण्ड देख,
चर-अचर जीव, जग, क्षर-अक्षर,
नश्वर मनुष्य सुरजाति अमर।

'बाँधने मुझे तो आया है,
जंजीर बड़ी क्या लाया है?
यदि मुझे बाँधना चाहे मन,
पहले तो बाँध अनन्त गगना

हम वहीं खुशी से खायेंगे,
परिजन पर असि न उठायेंगे!

शत कोटि सूर्य, शत कोटि चन्द्र,
शत कोटि सरित, सर, सिन्धु मन्द्र।

सूने को साध न सकता है,
वह मुझे बाँध कब सकता है?

दुर्योधन वह भी दे ना सका,
आशिष समाज की ले न सका,
उलटे, हरि को बाँधने चला,
जो था असाध्य, साधने चला।

'शत कोटि विष्णु, ब्रह्मा, महेश,
शत कोटि विष्णु जलपति, धनेश,
शत कोटि रुद्र, शत कोटि काल,
शत कोटि दण्डधर लोकपाल।

'हित-वचन नहीं तूने माना,
मैत्री का मूल्य न पहचाना,
तो ले, मैं भी अब जाता हूँ,
अन्तिम संकल्प सुनाता हूँ।

जब नाश मनुज पर छाता है,
पहले विवेक मर जाता है।

जञ्जीर बढ़ाकर साध इन्हें,
हाँ-हाँ दुर्योधन! बाँध इन्हें।

याचना नहीं, अब रण होगा,
जीवन-जय या कि मरण होगा।

हरि ने भीषण हुंकार किया,
अपना स्वरूप-विस्तार किया,
डगमग-डगमग दिग्गज डोले,
भगवान् कुपित होकर बोले-

'भूलोक, अतल, पाताल देख,
गत और अनागत काल देख,
यह देख जगत का आदि-सृजन,
यह देख, महाभारत का रण,

'टकरायेंगे नक्षत्र-निकर,
बरसेगी भू पर वह्नि प्रखर,
फण शेषनाग का डोलेगा,
विकराल काल मुँह खोलेगा।

'जंजीर बढ़ा कर साध मुझे,
हाँ, हाँ दुर्योधन! बाँध मुझे।

मृतकों से पटी हुई भू है,
पहचान, कहाँ इसमें तू है।

दुर्योधन! रण ऐसा होगा।
फिर कभी नहीं जैसा होगा।

A HUMOROUS DISASTER

When I Was a Small Kid and Was in 4th Std and Used to Play With My Mom's Phone Frequently. Once I Played With My Mom's Phone for Two 2 Hour's and It Became Very Hot and I Was Confused What to Do Next. Then a Thought Struck My Mind That If I Will Play for Half an Hour More It Will Cool Down. So I Played More and After Half Hour It Became More Hot. At That Time My Mother Was Not at Home so It Was a Breath Taking Moment for Me. But the Very Next Moment I Got a Call From Her. She Told Me That She Is Coming in Around 20-30 Min Again I Was Tensed. First I Thought "should I Wash It With Cold Water?" but the Phone Was Not Water Resistant so I Had to Draw Back My Idea and Then an Amazing Idea Came in My Mind so I Kept My Mom's Phone in the Freezer Waiting for It to Cool. And I Decided to Apply This Plan and Though It Was a Full Proof Plan I Thought That There Can Be Some Errors so Had to Inculcate One More Idea As a Backup Plan to Save Me. So Then I Thought That I Will Act As If I Am Sleeping and Knowing That My Mother Will Not Doubt Me. When She Reached Home and Searched for Her Cell Phone. And After Searching It for Five Minutes When She Didn't Find It She Became Angry. I Kept Mum for Some Time and Silently Went Into the Kitchen and Took Out the Phone From the Freezer and Silently Kept the Phone Near Her Purse. When She Came to Know About the Incident She Burst Out Laughing and a Warning Was Issued for Me That I Should Not Touch Any Electronic Device in Absence of Elders.

JAIN HONEY
XI-A, Roll No. 13

AN APPEAL TO TEACHERS FROM A SCHOOL PRINCIPAL WHO SURVIVED THE NAZI CAMP



A school principal who survived the Nazi camp, wrote, "I am a survivor of a concentration camp.

My eyes saw what no person should witness.

Gas chambers built by **learned engineers.**

Children poisoned by **educated physicians.**

Infants killed by **trained nurses.**

Women and babies shot and killed by **high school and college graduates.**

So, I'm suspicious of education.

My request is, **HELP YOUR STUDENTS TO BE HUMAN.**

Your efforts must never produce learned monsters, skilled psychopaths, or educated maniacs.

Reading and writing and spelling and history and arithmetic are only important if they serve to make our **STUDENTS MORE HUMAN.**

COLOURS DAY CELEBRATION BY KG SECTION GYANODAYA ENG/HINDI PRIMARY SCHOOL



EDUCATIONAL VISIT TO AVOCAB & SAKARDA SYNTHETICS AT CHHATRAL



Ahmedabad a city sizzling with commercial activity and a number of factories in an aloof industrial area arise curiosity in the minds of active academicians.

It was a pleasant morning after the retreat of monsoons that an educational trip was arranged for the Higher Secondary Science students of Rajasthan English Hr. Sec. School to visit the most famous factory of cable wire manufacturing AVOCAB in Chhatral area of Ahmedabad city.

The idea was to make the students aware of the manufacturing of the most commonly used cable wires. The bus reached the two storeyed factory at about 8:00 am on 28th September, 2018.

The pupils curiosity was writ large in the eyes when they stepped outside the factory campus and stepped in the production area of copper and steel wires.

Then the process of overlapping the wires was also witnessed by the students. Thereafter the overlapped

wires were given a plastic coating. Thus the complete cable wire was ready to be dispatched to the companies for their basic need.

It was a good learning session which made the students to be positively aimed to attain success in Science.

Thereafter the Higher Secondary group of boys and girls went to the textile factory. Here the cotton wool was turned into thread and later cloth was woven out of it. It was the area which made a inquisitive mind to be fed with the way a most common need i.e. clothing was fulfilled. The manufactured cloth was then sent to other factories where it was dyed and designed into various clothing types.

Gujarat cotton, one of the best cotton was seen by the students in its most raw form and the way it was made usable was also deeply appreciated by the students.

The bus entered the school campus after the visit with knowledge laden students in awe with Science & Technology and to be proud of the country's progress.



ENLIGHTENING MINDS

Atal Tinkering Lab (ATL) is the most sought after activity that our students of Std VII & VIII eagerly wait for on every Tuesday and Thursday. Their enthusiastic participation has led to many creations viz. Miniaturised Robotic Car, Line Follower Robot, Rope Walking Robot and a Crane. They were exposed to the concepts of 3D Printing and the basics of creation of 3D objects. ATL, therefore, created a scientific temper and cultivated the spirit of curiosity and innovation among the young minds.



THE TRUE LEARNING

Once I was going to reliance market to purchase some products used in school. When I arrived along on my vehicle then I saw that a person near the Maheshwari Bhavan who's age was approx. of 65-75 years was walking alone and suddenly he fell down by keeping his hand on chest and was unable to speak. Then I immediately rushed for his help, with the help of a person the old man was made to sit on the back of my vehicle's seat. Then we took due care to make the old man sit properly so that he reached the hospital early and when the doctor examined the old man, he told that "these are the symptoms of heart attack," and then the Cardiologist was called and the treatment instantly started. After some time the Cardiologist came out of the I.C.U and told that the old man is out of danger. Since that time I decided to be a Cardiologist. I felt so lucky to save the stranger's life. I felt I had registered my good deeds in the eyes of God. On reaching home I found my dad having proud expression on his face. My neighbour who was also present at the scenario had narrated the entire



incident to my parents "well done my child said my grandpa" as he hugged me tightly, "my son has really learnt what I taught." Then I realised the meaning of "TRUE LEARNING".

**OSWAL GOMCY
XI-B, Roll No. 33**

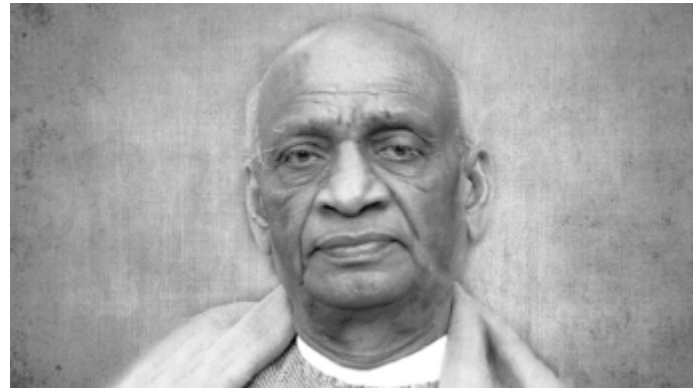
ESSAY ON SARDAR PATEL

"If Sardar Patel would have been the first prime minister of India."

All the dignitaries of the dais, honourable judges, respected teachers and my dear friend, good Morning. Today on this auspicious day. I am privileged to share my views on. "If Sardar Patel would have become the First Indian Prime Minister."

The 'Iron Man' of India, Sardar Patel was born on 31st October 1875 in Nadiad, Gujarat. His father Jhaverbhai and mother Ladbai gave him such a good manners that even today every child is knowing his name. His nature was to be friend of a friendless. His ideology was very clear he wanted people would fill proud to be Indians.

When Kashmir announced itself as an independent country, Pakistan Started invading It, Which led Kashmir to come to Sardar Vallabhbhai Patel for help, Sardar Patel had put a demand that Indian army would only help if you sign an agreement which states. Hence, Kashmir accepted the proposal Indian army started the pushing Pakistan army back from the Kashmir, India was successfully succeeding until Jawaharlal Nehru knocked the door of UN. Sardar Patel tried very hard to not include UN because it would complicate the matter, Jawaharlal Nehru did not listen him and UN ordered ceasefire across the order. This led to divided Kashmir. If Sardar Patel would have become the PM of our country, there would not have been an entity like Pakistan occupied Kashmir (POK). He played an instrument role in uniting the country



after Independence. India was categorized into 100 of various different kingdoms with the Independent union of India. Because of his birthday has been declared as "Rashtriya Ektha Diwas" in 2014.

In 1949 a crisis arose when the numbers Hindus refuses entering west Bengal, Assam and Tripura from east Pakistan. Sardar Patel strongly criticized Nehru's plan to sign a fact that would create minority commissions in both countries and pledge both India and Pakistan to make a commitment to protect each other's minorities. Had Sardar Patel been the PM of our country, Our leaders would not have been debating in prime time news on issues of Kashmiri Pandits and Rohingya Muslims.

If Sardar Patel would have become the 1st Indian PM the future of our country would have been different. "Desh ki takdeer aur tasveer alag hoti." India which we see today would have been more united and more sovereign.

Jai Hind

GARBA CELEBRATION OF KG SECTION, GYANODAYA SHISHU MANDIR**हिन्दी साहित्य परिषद् अहमदाबाद द्वारा
पुरस्कृत राजस्थान हिन्दी हाईस्कूल के छात्र**

"हिन्दी साहित्य परिषद्", गुजरात की एक प्रतिष्ठित संस्था है। गत तीस वर्षों से यह संस्था हिन्दी भाषा- साहित्य के प्रचार-प्रसार के लिए स्तरीय कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है। इसी परंपरा में इस वर्ष "हिन्दी-दिवस समारोह" दिनांक 21 अक्टूबर 2018 को सायं 4.30 बजे लालभाई दलपतभाई संस्कृति विद्यामंदिर के सभाखंड में आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता परिषद् के अध्यक्ष श्री चंद्रकांत मेहता (पूर्व कुलपति, गुजरात यूनिवर्सिटी) द्वारा की गई। मुख्य मेहमान के रूप में वरिष्ठ पत्रकार माननीय पद्मश्री श्री आलोक मेहता (दिल्ली) और अतिथि विशेष के रूप में "जयहिन्द समाचार" पत्र के संपादक श्री यशवंतभाई शाह, श्रीमती भानूबहन नागर, सुप्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. जयसिंह 'व्यथित', परिषद् के उपाध्यक्ष कवि डॉ. किशोर काबरा, संयोजिका डॉ. मालती दुबे, महामंत्री श्री शंकरभाई पटेल, संयुक्त मंत्री श्री संतोष सुराणा, सहसंयोजक डॉ गायत्री दत्त मेहता तथा ट्रस्टीगण उपस्थित रहे।

परिषद् के आद्यसंस्थापक डॉ. अम्बाशंकर नागरजी की स्मृति में 'डॉ. अम्बाशंकर नागर वरिष्ठ सारस्वत सम्मान' सुप्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. जयसिंह 'व्यथित' को शोल, स्मृति चिह्न एवं 11 हजार रु. प्रदान कर किया गया।

प्रतिवर्ष हिन्दी दिवस के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है, जिसमें काव्य, कहानी, मानस-मंथन, गीता-ज्ञान, प्रतिभा शोध, वक्तृत्व एवं निबंध जैसी अलग अलग प्रतियोगिताओं को समाविष्ट किया जाता है। इन प्रतियोगिताओं में प्रथम एवं द्वितीय आने वाले विजेता को रजत पदक प्रदान किया जाता है।

वैज्ञानिक निबंध प्रतियोगिता :- यह प्रतियोगिता स्व. श्री रामविलास दुबे की पुण्य स्मृति में डॉ. मालती रामविलास दुबे द्वारा प्रदत्त अनुदान से आयोजित की जाती है। राजस्थान हिन्दी हाईस्कूल की 11 वीं कॉमर्स विद्यार्थिनी भाग्यश्री राव ने 3000 शब्दों में निबंध लिखकर द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक एवं सर्टिफिकेट प्राप्त किया। निबंध का विषय था - 'विद्यालयीन शिक्षा में विज्ञान को बढ़ावा देना आवश्यक है।'

KUDOS TO THE RANKERS !!!

Our school encourages First and Second rankers in studies from Jr. KG to Std. VIII every year. This year also



श्री श्याम टिबरेवाल प्रबंधन प्रतियोगिता :- यह प्रतियोगिता परिषद् के आजीवन ट्रस्टी श्री श्याम टिबरेवालजी द्वारा प्रदत्त अनुदान राशि से आयोजित की जाती है। इस प्रतियोगिता में विभिन्न उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थी भाग ले सकते हैं। इस वर्ष का निबंध का विषय - 'भारत के उत्कर्ष में समय - प्रबंधन का योगदान' था। राजस्थान हिन्दी हाईस्कूल की 11 वीं कॉमर्स की छात्रा पवार कोमल ने 3000 शब्दों में निबंध लिखकर प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया वहीं मोदी पुष्पा ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक एवं सर्टिफिकेट प्राप्त कर शाला का गौरव बढ़ाया है।

डॉ. ममता यादव
शिक्षिका, राजस्थान हिन्दी हाईस्कूल

they were felicitated with certificates of merit and shields.



राजस्थान हिन्दी हाईस्कूल का गौरव

हिन्दी साहित्य परिषद् द्वारा "हिन्दी दिवस" के उपलक्ष्य में आयोजित वैज्ञानिक निबंध प्रतियोगिता में हमारी राजस्थान हिन्दी हाईस्कूल ने बेहतरीन प्रदर्शन किया।

इस प्रतियोगिता में 11 वीं कक्षा की छात्रा राव भाग्यश्री ने 3000 शब्दों में निबंध लिखकर द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

इसी श्रृंखला में श्री श्याम टिबेवाल प्रबंधन प्रतियोगिता में 11 वीं कोमर्स की छात्रा पवार कोमल ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त कर, और मोदी पुष्पा द्वितीय पदक प्राप्त कर शाला का गौरव बढ़ाया।

हमारी विद्यार्थीनीओं को इस प्रतियोगिता के लिए श्रीमती ममता यादव जो की राजस्थान हिन्दी हाईस्कूल की हिन्दी शिक्षिका है उन्होंने काफी प्रेरित किया।

राजस्थान हिन्दी हाईस्कूल के विद्यार्थी एवं विद्यार्थिनी नियमित रूप से ऐसी कई सारी प्रतियोगिता में भाग लेते आये हैं और उन्होंने स्कूल का नाम रौशन किया है।

**PROJECT WORK -
GYANODAYA ENG/HINDI PRIMARY SCHOOL**



**RANKERS OF GYANODAYA
ENG/HINDI PRIMARY SCHOOL**



THE ALL INDIA ESSAY WRITING EVENT

Every year the All India Essay Writing Event is organized by UN Information Centre, New Delhi. Our School students participated very enthusiastically. This year 110 students participated and wrote essays in three languages i.e English, Hindi and Gujarati and expressed their views. The topic this year was: "There is a wisdom of the head and a wisdom of the heart."

- Smt. Nita Shukla
- Smt. Dhvani Panday
- Smt. Mamta Yadav



**ONE STOP FOR
VINTAGE &
CONTEMPORARY
COLLECTION**



**HOME & GARDEN
FURNITURE &
ARCHITECTURAL
ACCENTS**



BOHO

Address: Near Swaminarayan temple, besides aaryan embassy, sardar patel ring road, Ambli - Bopal Rd, Ahmedabad

Call: 063537 34398

www.thebohomes.com

@f/BOHOHOMES

SCIENCE PROJECT BY THE STUDENTS OF GYANODAYA PRIMARY SECTION



Windmill
By Charmi Patel (VIII-A)



Light Detecting Sensor
By Unnati Agarwal (VIII-A)



Rainwater Harvesting System
By Dhruv Daiya (VIII-A)



Hydraulic Lift
By Bansali Jainam (VIII-A)



Water Dispenser
By Tanisha Mehta (VIII-A)



Projector
By Sarthak (VII-A)



Vacuum Cleaner
By Pulkit Dudi (VI-B)



Waste Water Treatment Plant
By Vidhi Jain (VIII-B)



Candy Dispenser
By Aryan Sevak (VIII-B)



Rain Water Harvesting
By Preksha Gogar (VIII-B)



Green City
By Tanvi Borana (V-B)



Water Harvesting
By Nirmam Shah (VIII-A)

SCOUT AND GUIDE ACTIVITIES (OATH-TAKING CEREMONY FOR THE NEW ENTRANTS)

The Scout Master welcomed the newly inducted Scouts & Guides, briefed them about the Role, Rules & Regulations, Responsibilities and also its history. They were conferred upon by the Scout & Guide leader with Woggles and Scarfs and took pledge to live up to the ideals of the movement.



SCOUT ACITIVITY BY GYANODAYA ENG/HINDI PRIMARY SCHOOL



SRUJAL JAIN WITH HON. GOVERNER SHRI O.P.KOHLI

Srujal Jain a calm, obedient and sincere student added a feather to the cap of Rajasthan School by attaining 1st rank in Gujarat Board in 2017 with 99.99 percentile. She was successful in getting a seat at V.S. hospital after securing worthy marks in NEET examination. Her success story is taking further steps as she has topped in the M.B.B.S. first year examination conducted by Gujarat University, 2018. Our heartiest congratulations to Srujal for adding laurels to her family and Rajasthan School.



STRANGER THINGS

"Ah! Boss fires me off. He's not lesser than a devil." Said John while heading back home. It was late dusk. John was told to complete the target so he had no option other than staying back and completing his work. John, a well-built, masculine, beard man managed stocks of a company in the countryside office. As the dark approached, nothing could be heard but silence. As he walked down the road, he started feeling as if he was being watched. "The woods have got eyes or something!?". It was a windy night, tightening his coat, he kept walking. "duh! This is nothing less than a horror movie scene". John was a guy who never believed in ghosts. He was a pure sceptic. " I hope I don't find a ghost here. Better for him." He joked. He felt a strange attraction towards woods and he starts walking towards it. The only thing he could here was the crumpling of dead leaves and a wolf howl deep down from the forest. He suddenly stepped on something. "oye! What was that!" He turned his mobile flashlight on. It was a piece of human bone. "Looks like the wild animals just had their dinner" he said nervously. He again started walking in. Now, he could hear chanting. " sounds like some scary chants being recited" he said as he crossed a wooden bridge. There were legends about noises being heard from the forest. People said the land after the bridge was cursed. Long time ago, a lady accused of practicing witchcraft black magic was killed there. "she still lives there. She still does it. She has become more powerful now" said the ancient people of the town. People destroy the physical body but forget that the spirit is immortal. According to the legend, the lady had cursed the land before she died. The darkness of the forest was at its peak. Fear had taken over. Sheer evil could be experienced there. One could never get out once he entered the forest. John, as if unconscious, kept walking towards the chants. The sound grew with every step. He suddenly slowed down. "Oh dear god! What have I stepped into!"

His eyes couldn't believe what he saw. His brain was at a state of absolute confusion. His brain refused to accept what his eyes saw!



Yes! Yes it was a ritual. Yes the goddess of evil, yes the princess of dark, yes the queen of fear was being worshipped. This was very first time that someone had actually witnessed this.

Chanting the evil, blood and greed everywhere, drums being played, people with goat masks on and what not!

Goose bumps rolled all over his body. He didn't know what to do, where to go. People would consider him a lunatic if he told this to the locals. Satan. Lucifer. Devil. Call him anything but never ever try to call him because once arrived, he never leaves. He suddenly felt as if someone had a grip of his hand. He turned around but there was no one. As he again turned, everything was gone. Just vanished! Overcome by fear and confusion, he ran out. He could still hear chanting. Now coming close to him. Crumpling of leaves, he could hear and he knew it wasn't him. Running hurriedly, he ran into a car.

The next thing he could remember was waking up in a hospital, with a broken leg. That was the most creepiest night one could ever experience. He felt a burning effect on his shoulder, an inverted cross had appeared as once he enters, he never leaves.

**VORA FAGUN
XI-A, Roll No. 41**

SWACHATA ABHYAN

Swach Bharat Abhyan is a nation-wide campaign in India for the period 2014 to 2019 that aims to clean up the streets, roads and infrastructure of India's cities, towns, and rural areas. As an awareness in this direction, the Scouts & Guides cleaned the school playground and also enacted a skit.



**TEACHER'S DAY CELEBRATION -
GYANODAYA ENG/HINDI PRIMARY SCHOOL**



TEACHER'S DAY CELEBRATION

Teachers' Day is one of the most special days in a student's as well as a teacher's life. Teachers specially wait for this day as they get to relax unlike other days. And this year too it was celebrated with full enthusiasm. Students from Std. VIII were dressed up as teachers. They played the part of different teachers and were sent to various classes to teach different subjects. This role playing is one of the main

celebration which students eagerly look forward to. The junior students look forward to the classroom sessions undertaken by their seniors as these are not the usual lectures.

As a mark of love and affection, the students shared cakes with their beloved teachers and all, together, enjoyed every moment.



THE ELOCUTION COMPETITION

Sardar Patel Seva Samaj organized an 'Elocution Competition'. The topic: "If Sardar Patel would have been the first Prime Minister of our country."

Two students from Standard IX took part.

Khushi Mundra received 1st prize of cash rupees 1000 and an opportunity to take part on 1st October, 2018 on birth anniversary of Sardar Patel.

The school received the Rolling Trophy.



The other participants were:

- Kanojiya Aditi IX A
- Patel Kalpesh XI
- Nair Reshma XI

THE TAEKWONDO COMPETITION

Dhruvi Parikh, the student of Std. 12th won the Silver Medal for the 15th Taekwondo International Competition.



Congratulations to her.

TRAFFIC - ITS ISSUES AND SOLUTIONS

Traffic is the biggest menace of our country. There should be understanding between both the public and the government.

Traffic jams can be controlled by the following ways.

- There should be made a left side road through which the people can go easily.
- Traffic police should be capable of handling every situation.
- Lesser private vehicles should be used.
- Public transport and cycles must be common mode of transportation.

**KHUSHBOO J. KUMAVAT
XII - C**



YOUTH AWARENESS CAMPAIGN

'Khushiyon Ki Raah' - Bal & Mahila utkarsh foundation had organized a "Youth Awareness Campaign" in R.H.H.S. on 18/9/2018 at 9:00 A.M.

Director - Dr. Pankaj R. Shah, President - N. R. Rajput & Manager - R. J. Rajput of this foundation covered following topics in their motivational speech:

- Nutritional deficiencies & Health
- Pubertal changes in girls & boys in adolescence
- Nutrition & general hygiene
- Menstrual Hygiene
- Importance of yoga & Meditation
- Harms caused by addiction

This programme really motivates & inspires the children.



“खामोशी”

जीवन में सिर्फ खामोशी ही होती तो सोचो कैसा होता ? मन से मन की बातें कह पाते। मन में कुछ और जुबान पर कुछ और आंखों में कुछ और ना होता। चेहरे पर चेहरे ना होते सिर्फ एक ही चेहरा होता सच्चा और अच्छा।

कभी-कभी सोचती हूँ कि हम बड़ों में एक रूप नहीं अनेकों रूप है। तो क्या उसी तरह इन बच्चों में भी अनेकों रूप है ? कुछ दिनों बाद जवाब मिला "हाँ" अब तो बच्चों के भी अनेकों रूप है उनके भी मन में कुछ और जुबान पर कुछ और होने लग गया। एक नहीं परंतु विभिन्न व्यक्तित्व बच्चों के अंदर जन्म ले रहे हैं। यह एक विनाशक भविष्य की ओर संकेत है। क्या इसका कोई इलाज नहीं? यदि बच्चा अभी से ही खामोशी की भाषा पढ़ ले सोचो कैसा होगा। एक बार तो सोचोबच्चों की सोच समझ शक्ति का विकास होगा, उनके कोमल मन की मासूम से सवालियों का एक आसान सा जवाब होगा, उनकी आंखों में, जुबान पर और शब्दों में एक ही व्यक्तित्व का विकास होगा।

खामोश होने से खामोश हो जाता है,
तुम्हारा गुस्सा
खामोश होने से खुशी का एहसास होता है

खामोशियां जीवन में जरूरी है क्योंकि कई बार जो काम हम शब्दों से नहीं कर सकते वहीं काम खामोशियों से बड़ी आसानी से कर सकते हैं।

जब खामोशियां होती हैं
तब दिल से दिल के विचार मन में तैरने लगते हैं,
सूरज की रोशनी अंदर प्रवेश करने लगती है,
शरीर के बेजान तंत्रिका और कोशिकाओं में जान आने लगती है,
जिससे जन्म होता है एक सच्चे और अच्छे इंसान का।

नीलम



सारगर्भित संस्कार लिए
सुनियोजित आकार लिए
प्रगतिशील हूँ निज-पथ पर
अग्रजों के निर्देशनमें
सत्यता के दर्शनमें
प्रगतिशील हूँ निज-पथ पर
चिंतनमयी व्यवहार लिए
अपनोंका नेह दुलार लिए
प्रगतिशील हूँ निज-पथ पर
भारतीयता कीपहचान लिए

डिम्पलगौड़

स्वच्छ संकल्प

स्वच्छता को घर-घर तक लाना है।
इस अभियान से स्वच्छ एवं सुंदर भारत बनाना है।

गांधीजी के आदर्श विचारों को अपनाना है।
एक नया एवं आदर्श भारत बनाना है।

प्रदूषण से मुक्ति पना है।
एक नया एवं आदर्श भारत बनाना है।

गंदगी एवं कचरे के कारण फैली बीमारियों को दूर भगाना है।
एक नया एवं आदर्श भारत बनाना है।

चारों और स्वच्छता का संकल्प साकार बनाना है।
एक नया एवं आदर्श भारत बनाना है।

नदियों को स्वच्छ बनाना है।
एक नया एवं आदर्श भारत बनाना है।

अधिक से अधिक वृक्ष उगाना है।
एक नया एवं आदर्श भारत बनाना है।

स्वदेशी वस्तुओं को अपनाना है।
एक नया एवं आदर्श भारत बनाना है।

सत्य और अहिंसा के मार्ग पर जाना है।
एक नया एवं आदर्श भारत बनाना है।

जय हिंद, जय भारत

गोयल भट्टराज
कक्षा - 11 आर्ट्स

सेवा ज्योत
हिन्दी साहित्य परिषद् अहमदाबाद द्वार पुरस्कृत
राजस्थान हिन्दी हाईस्कूल के छात्र

January issue

The VALIANT BRIDE

For every bride there's a lot more than meets the eye!

Visit the store to know more

FOR THE *Desi* GIRL

40181 700982

Chaniya Choli's, Sarees, Gowns, Dress Materials, Salwar Kameez and many more.

PH : +91 98250 69342
Deepkala House, C.G Road,
Navrangpura, Ahmedabad

DEEPKALA *silk heritage*
CG Road



*the
treasure of
traditions*

#VersatileVillandi



K. B. ZAVERI

The Heritage of Timeless Beauty

  [kbzaveri.in](https://www.kbzaveri.in)

9, PARISEEMA, C.G. ROAD, AHMEDABAD
+91-79-26406411 | +91-9909022301